● वर्ष-3
● अंक-169
रायपुर, शुक्रवार
23 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› भारत के 5 सबसे प्रसिद्ध शिव ...

## मोदी ने साधा कांग्रेस पर निशाना, बोले- मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है

**नई दिल्ली।** गुजरात के नवसारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है। उन्होंने कहा कि देश के गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे पक्का घर मिलेगा क्योंकि मोदी की गारंटी है। गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे कभी भूखा नहीं सोना पड़ेगा, उसे दर्द नहीं सहना पड़ेगा क्योंकि मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जब मैं गुजरात में था तो 5स्त्र की

बात करता था...इसका मतलब था- फॉर्म, फॉर्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन। यानी किसान कपास उगाएगा, कपास फैक्ट्री में जाएगा, फैक्ट्री में बने धागे से परिधान बनेंगे, यही परिधान विदेशों के लिए निर्यात होंगे।

मोदी ने कहा कि पीएम मित्र पार्क भी इसी अभियान का हिस्सा है। नवसारी में जिस पीएम मित्र पार्क का काम शुरू हुआ है, वो टेक्स्टाइल सेक्टर के लिए देश का पहला ऐसा पार्क है। इससे कपड़ा उद्योग को बल मिलेगा। कपड़ा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आज एक प्रकार से सूरत सिल्क सिटी का विस्तार नवसारी तक हो रहा है। आज इस सेक्टर में दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों को भारत टक्कर देने लगा है और इसमें गुजरात की टेक्स्टाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज सूरत के लोगों के लिए एक और अहम प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। 800 करोड़ रुपए से ज्यादा राशि से बनने वाले तापी रिवर बैराज का आज शिलान्यास हुआ है। ये बनने से सूरत में आने वाले कई वर्षों तक वाटर सप्लाई की समास्या का समाधान हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी ने देश के गरीब, किसान, युवा और महिला सभी को सशक्त करने की गारंटी दी है और ये गारंटी सिर्फ योजनाएं बनाने की नहीं है, बल्कि जो हकदार हैं उन तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश में और गुजरात में सरकार चलाई, लेकिन कभी आदिवासी क्षेत्रों, समंदर के तट पर बस गांवों की सुध नहीं ली। भाजपा ने गुजरात में उमरग्राम से लेकर अम्बाजी तक... पूरे आदिवासी पट्टे तक मूल सुविधाएं पहुंचाने के लिए अविरत काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हर देशवासी का जीवन स्तर और सुधरे। मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपने दशकों के शासन में भारत को 11वें नंबर की इकोनॉमी ही बना पाई। भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के शासन में ही भारत को दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बना दिया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया डिजिटल इंडिया को पहचानती है, ये वही डिजिटल इंडिया है, जिसका कांग्रेस के लोग कभी मजाक उड़ाया करते थे। आज डिजिटल इंडिया ने छोटे शहरों को ट्रांसफॉर्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जितना ध्यान विकास पर दे रही है, उतना ही ध्यान अपनी विरासत पर भी दे रही है। कांग्रेस ने दशकों तक देश के साथ लगातार अन्याय किया है, जबकि आज पूरी दुनिया में समृद्ध भारत की गूंज सुनाई दे रही है।

## देश का भविष्य तय करने वाला अगला चुनाव हैः शाह

### मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 10 साल में देश के 60 करोड़ गरीबों का कल्याण करने का काम किया है

**जांजगीर-चांपा।** भारतीय जनता पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव का शंखनाद करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुँकार भरी और कहा कि आने वाला चुनाव देश का भविष्य तय करने वाला चुनाव है। आने वाला चुनाव देश को पूर्ण विकसित और भारत माता को विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण चुनाव है। श्री शाह ने कहा कि सन 2014 में 11 में से 10 सीटें भाजपा को आपने दी, 2019 में 11 में से 9 सीटें भाजपा को दी और विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा बहुमत से भाजपा की सरकार बनाई और एक नाकारा सरकार, जिसने न तो नक्सलवाद पर लगाम कसी और न ही छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ न्याय किया, उसे उखाड़ फेंका। श्री शाह गुरुवार को जांजगीर-चाँपा में भाजपा की विजय महासंकल्प रैली में महती जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 10 साल में देश के 60 करोड़ गरीबों का कल्याण करने का काम किया है। इन 10 वर्षों में मोदी जी ने देश के 60 करोड़ गरीबों को घर में नल से जल देने का काम किया, छत्तीसगढ़ में 38 लाख से ज्यादा घरों में पीने का अपनी आजादी के 75 साल बाद पहली बार पहुंचा है। देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख तक के उपचार का पूरा खर्चा मोदी सरकार उठा रही है। पूरे छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है, 10 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए, उसमें से 38 लाख शौचालय छत्तीसगढ़ में बने। 75 साल के बाद छत्तीसगढ़ की बहनों को शौचालय मिला। छत्तीसगढ़ के 2 करोड लोगों को 5 किलो अनाज प्रति व्यक्ति प्रतिमाह मुफ्त में मिलता है। मुफ्त में गरीब का चूल्हा जलाने का काम मोदी सरकार ने किया है। 36 लाख माताओं को गैस का सिलेंडर दिया,10 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास दिया और पूरे छत्तीसगढ़ में सभी लोगों को कोरोना का निःशुल्क का टीका लगाया। देश के 130 करोड़ लोगों को कोरोना का टीका लगाकर भारत और छत्तीसगढ़ को कोरोना से मुक्त बनाने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के अर्थतंत्र को आगे ले जाने का काम किया।

हमारा देश दुनिया के अर्थतंत्र की तालिका में 11वें नंबर पर था, आज पाँचवें नंबर पर है। मोदी की गारंटी है कि केंद्र में भाजपा की सरकार एक बार फिर से ला दो, हम दुनिया में भारत को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाएंगे। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने दलित, आदिवासी, पिछड़ा सभी का सम्मान करने का काम किया। 75 साल के बाद पहली बार किसी गरीब आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों का सम्मान करने का काम किया है। ओबीसी को पहली बार संवैधानिक मान्यता दी और 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। ओबीसी आयोग का गठन किया। यह सभी योजनाएं ओबीसी समाज, आदिवासी समाज, दलित समाज और सभी के लिए लागू करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

शाह नें भाजपा की विजय महासंकल्प रैली में महती जनसभा को संबोधित किया

#### केंद्र सरकार और छग की भाजपा सरकार दोनों मिलकर विकास के नए आयाम गढ़ेंगेः देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही मोदी जी की सभी गारंटीयों को पूरा करने का काम शुरू कर दिया गया है। विगत 5 वर्षों में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार हुआ करती थी, पूरे छत्तीसगढ़ में अत्याचार, अनाचार, दुराचार, भ्रष्टाचार सारी सीमाएँ पार कर चुका था। उस समय जब पहली बार गृह मंत्री अमित शाह आए थे, उन्होंने विश्वास दिलाया था कि छत्तीसगढ़वासियों अगर छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आप सभी के सहयोग से बनी तो मोदी जी की नीतियों, जितनी भी गारंटी है जिसे कांग्रेस ने पिछले 5 साल तक रोक कर रखा था इसका लाभ सीधे आप तक पहुँचाएंगे। वह समय आ गया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ में बन चुकी है, डबल इंजन की सरकार। हम हमेशा कहते थे केंद्र में नरेंद्र मोदी जी की सरकार और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार दोनों मिलकर विकास करने विकास के नए आयाम गढ़ेंगे।

#### छग की सभी 11 की 11 सीटों में कमल खिलाकर केंद्र में मोदी की सरकार बनानी हैः साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार अभी दो महीने की है। मोदी की गारंटी में भाजपा ने जो वादे किए हैं उसको पूरा करने की दिशा में भाजपा की प्रदेश सरकार ने कदम बढ़ा दिया है। इसी तरह मोदी की गारंटी में जो भी वादा है उन सभी वादे को पूरा करेंगे। यह मोदी जी का चुनाव है, इस चुनाव में जांजगीर क्षेत्र सहित छत्तीसगढ़ की सभी 11 की 11 सीटों में कमल खिलाकर केंद्र में नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनानी है।

### स्वास्थ्य मंत्री के विभागों के लिए 6206 करोड़ की अनुदान मांगे पारित

## प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालय में बनेगा सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल

**रायपुर।** लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों से संबंधित 6206 करोड़ 51 लाख 52 हजार रूपए की अनुदान मांगें विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित कर दी गई। चर्चा का जवाब देते हुए प्रदेश में त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ड्रोन सेवा के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा सेवा जैसे रोबोट टेक्नोलॉजी व रोबोट डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थान चिन्हांकित कर ट्रामा सेंटर खोलने की भी घोषणा की।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अनुदान मांगों पर हुई चर्चा पर जवाब देते हुए कहा कि निरोगी होना परम भाग्य है और अच्छे स्वास्थ्य से अन्य सभी कार्य सिद्ध होते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 4,413 करोड़ 16 लाख 5 हजार रूपए, चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 1,788 करोड़ 86 लाख 12 हजार रुपए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने सदन में कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के बजट में एम्स की तर्ज पर सभी संभागीय मुख्यालयों में सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल खोलने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही राज्य के दूरस्थ अंचलों के 6 जिला अस्पतालों गरियाबंद, कवर्धा, मुंगेली, रायगढ़, बैकुण्ठपुर और नारायणपुर को आदर्श जिला अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 20 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान रखा गया है। इस राशि से इन अस्पतालों में आवश्यकतानुसार मशीनें, अधोसंरचना तथा मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने सदन में बताया कि दूर-दराज के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पैथोलॉजी जांच की सुविधा उपलब्ध कराने नए बजट में 393 लैब टेक्निशियन के नवीन पदों का सृजन किया गया है।

छत्तीसगढ़ में लोगों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने ड्रोन सेवा और रोबोट टेक्नोलॉजी

#### प्रमुख प्रावधान

राज्य के 5 नये जिलों सक्ती, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सारगंढ-बिलाईगढ़ में 165 नए पद

मनेन्द्रगढ़ एवं कुनकुरी में 220 बिस्तर अस्पताल खोलने के साथ ही इनके भवन निर्माण

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खड़गवां का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन, बिलासपुर उच्च न्यायालय के आवासीय परिसर में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

कुरूद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का 50 बिस्तर से 100 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन का प्रावधान आगामी वर्ष के बजट में रखा गया है।

प्रमुख समाचार

### ब्रिगेडियर अमन आनंद ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया की कमान संभाली

**रायपुर।** ब्रिगेडियर अमन आनंद, विशिष्ट सेवा

मेडल, ने 21 फरवरी 2024 को नया रायपुर मिलिट्री स्टेशन में आयोजित एक समारोह में छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया की कमान संभाली। 1995 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त ब्रिगेडियर अमन आनंद ने प्रतिष्ठित कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक नियुक्तियों में काम किया है। उन्होंने कश्मीर घाटी, भारत-चीन सीमा पर, सियाचिन ग्लेशियर और दक्षिण सूडान में सैनिकों की कमान संभाली। उनके पास समुद्री क्षेत्र और एयर-ऑप्स सहित कुछ सबसे संवेदनशील नियुक्तियों में सेवा करने का अनूठा अनुभव है। वह अतीत में एक सैन्य थिंक टैंक का नेतृत्व कर चुके हैं और 2017-21 के बीच सेना के प्रवक्ता थे। भारत और पाकिस्तान (बालाकोट) के बीच बढ़े तनाव के दौरान उन्हें भारत सरकार द्वारा एडीजी मीडिया के रूप में पदोन्नत किया गया था। एक कुशल राष्ट्रीय स्तर के घुड़सवार और सटीक निशानेबाजी में सर्विस चैंपियन, उन्होंने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए बैटन उठाया।

### अगर इंडिया गठबंधन नहीं छोड़ा तो केजरीवाल को जेल भेज देंगे

**नई दिल्ली।** आप नेता आतिशी ने गुरुवार को दावा किया कि अगर पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे का समझौता करती है तो अगले तीन से चार दिनों में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि सीबीआई शनिवार या रविवार को केजरीवाल को नोटिस जारी करने वाली है। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस की एकता से डरे मोदी और भाजपा। जब से मीडिया में ख़बर चल रही है कि इंडिया एलायंस की सीट शेयरिंग फाइनल हो गई है। आतिशी ने दावा किया कि तब से आप नेताओं को मैसेज आया है कि अगर आप ने इंडिया गठबंधन नहीं छोड़ा तो मुख्यमंत्री जी को दो दिनों में सीबीआई से CrPC के Section44 का नोटिस आएगा और मुख्यमंत्री जी को सीबीआई-ईडी गिरफ़्तार करेंगी। उन्होंने कहा भाजपा से कहना चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल जी और हम इनकी जेल भेजने की धमकी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर ये आप के सभी नेताओं और विधायकों को भी जेल में डाल देंगे.

### एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने नरेंद्र मोदी

**नई दिल्ली।** अमेरिका स्थित वैश्विक निर्णय खुफिया एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट के एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 78 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। प्रधान मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और ब्रिटेन के ऋषि सनक की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं। एजेंसी की वेबसाइट के अनुसार, नवीनतम अप्रूवल रेटिंग 30 जनवरी से 5 फरवरी तक एकत्र किए गए डेटा पर आधारित हैं। रेटिंग सर्वेक्षण किए गए प्रत्येक देश में वयस्कों के बीच एक सप्ताह के औसत दृश्य को दर्शाती है। 73 वर्षीय मोदी प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरा कार्यकाल चाह रहे हैं, जो कि भारत के पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा हासिल की गई एक उपलब्धि है। 15 अगस्त, 1947 को जिस दिन भारत को आजादी मिली, उस दिन शपथ लेने वाले नेहरू ने 1964 में अपनी मृत्यु से पहले 1952, 1957 और 1962 में कांग्रेस को जीत दिलाई। मॉर्निंग कंसल्ट सर्वे के अनुसार पीएम मोदी 78 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ सूची में शीर्ष पर हैं।

### छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री मोदी देंगे 34,400 करोड़ की सौगात

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और इस दौरान यह 34,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और कुछ का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीएमजी ने कहा कि प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे वे सडक, रेलवे, कोयला, बिजली, सौर ऊर्जा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधित हैं। प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जिले में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) की लाता सुपर ताप बिजली परियोजना के पहले चरण 2 गुणा 800 मेगावाट) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और इसी परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखेंगे। पीएमओ ने कहा कि पहला चरण लगभग 15,800 करोड़ रुपये के निवेश से बनाया गया है जबकि दूसरे चरण का निर्माण परिसर की उपलब्ध भूमि पर किया जाएगा लिहाजा विस्तार के लिए किसी अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता नहीं होगी। दूसरे चरण में 15,330 करोड़ रुपये का निवेश होगा।अत्याधिक सुविधाओं से लैस यह परियोजना विशिष्ट कोयले की खपत को कम करेगी।

### कोयला खदान में मिट्टी धसने से तीन लोगों की मौत

**कोरबा।** दीपका कोयला खदान में बड़ा हादसा हो गया है। यहां खदान में मिट्टी धसने से तीन लोगों की मौत की खबर है। बताया जा रहा है कि यहां खदान में तीन लोग कोयला निकालने का काम कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी धस गई, जिससे तीन लोग दब गए। खबर है कि तीनों की मौत हो गई है। वहीं 2 लोग घायल हो गए हैं। हरदी बाजार थाना के सुवाभोडी गांव की घटना है। जहां 5 लोग कोयला चोरी करने गए थे। कोयला चोरी करने के दौरान पांच लोगों पर मिट्टी धस गई जिससे पांचों लोग दब गए। वहीं इस घटना में तीन लोगों की मौत की खबर है। जबकि दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर तत्काल घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस और एसईसीएल के अधिकारियों की मौजूदगी में रेस्क्यू आपरेशन चलाया जा रहा है। एसईसीएल की खदान में मिट्टी धसकने का ये मामला हरदीबाजार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक एसईसीएल की ओल्ड दीपका माइंस में एसईसीएल द्वारा पहले ही कोयला खनन कर दूसरे फेस में खनन का काम किया जा रहा है। दीपका माइंस के बंद पड़े खदान के इस हिस्से में केंवटा डबरी और शुआ भोड़ी क्षेत्र के ग्रामीण अक्सर अवैध तरीके से कोयला निकालने जाते हैं।

## अखिलेश झुके अब केजरीवाल की बारी

**अजय सेतिया**

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा की दबाव की रणनीति कामयाब रही। सपा-कांग्रेस में सीट शेयरिंग हो गई है। इसकी वजह यह रही कि भारतीय जनता पार्टी ने जातीय समीकरणों की जोरदार नाकेबंदी की है। भाजपा की नाकेबंदी के कारण सपा और कांग्रेस को मजबूरी में एक दूसरे की शर्तें माननी पड़ी है। उत्तर प्रदेश की तरह पंजाब और दिल्ली में भी भाजपा की चुनावी रणनीति को देखते हुए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में नए सिरे से बातचीत शुरू हो गई है। चंडीगढ़ मेयर के चुनाव ने दोनों पार्टियों को फिर से बातचीत के लिए मजबूर किया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पूरब में अनुप्रिया पटेल के अपना दल, संजय निषाद की निषाद पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से गठबंधन किया है, तो पश्चिम में जयंत चौधरी के रालोद को अपने साथ ले लिया है। विधानसभा चुनावों में ओम प्रकाश राजभर, जयंत चौधरी, स्वामी प्रसाद मौर्य, पल्लवी पटेल और दलित नेता कमलकांत गौतम समाजवादी पार्टी के साथ थे। जातियों के समीकरण के कारण सपा की सीटें 47 से बढ़कर 111 हो गई थी। गैर यादव पिछड़ी जातियों और दलितों में आधार वाले ये सभी नेता अब समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। राजभर और जयंत चौधरी भाजपा के साथ आ चुके हैं, स्वामी प्रसाद मौर्य और कमलकांत गौतम सपा का साथ छोड़कर अपनी पार्टी अलग बना रहे हैं। इन चुनावों में समाजवादी पार्टी का एमवाई गठबंधन भी खतरे में है, क्योंकि मुसलमानों का रूख भी कांग्रेस की तरफ है, इसलिए कोई गुंजाईश ही नहीं थी कि सपा अकेले चुनाव लड़ती।

पिछले कई दिनों से ये जो खबरें आ रही थीं कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत टूट गई है, वह पूरी तरह निराधार थी। सामने वाले पर दबाव बनाने के लिए राजनीति में कई बार इस तरह की खबरें राजनीतिक दल खुद चलवाते हैं। समाजवादी पार्टी इन खबरों से कांग्रेस पर दबाव बना रही थी। खबरों को सच्चा साबित करने के लिए उन्होंने सपा के उम्मीदवारों का एलान भी करना शुरू कर दिया था। सोलह, ग्यारह और पांच उम्मीदवारों की तीन सूचियों में उन्होंने 32 उम्मीदवारों का एलान भी कर दिया। इनमें से कुछ सीटें वे थीं, जिन पर कांग्रेस दावा ठोक रही थी। कांग्रेस अखिलेश यादव की दबाव की रणनीति के साथ साथ उनकी मजबूरी को भी समझती थी, इसलिए वह भी टस से मस नहीं हुई। इसी कारण अखिलेश यादव खुद झुकते चले गए। कहां पहले उन्होंने 11 सीटों की पेशकश करते हुए कहा था कि इससे ज्यादा सीटें नहीं दे सकते, फिर 15 सीटों पर आए, और आखिर में संख्या बढ़ा कर 17 कर दी।

अखिलेश यादव के राहुल की यात्रा में शामिल न होने के बयान ने दवाब का जोरदार काम किया। कांग्रेस 21 सीटों की मांग से नीचे आ गई है। सत्रह या अठारह सीटों पर समझौता हो जाएगा। अखिलेश यादव ने खुद ही कह दिया है कि अंत भला तो सब भला। अब राहुल गांधी की उत्तर प्रदेश में चल रही यात्रा में अखिलेश यादव का शामिल होना भी लगभग तय है। इस बीच अंदरखाते बसपा से बातचीत चल रही थी कि वह भी गठबंधन में शामिल हो जाएं। लेकिन मायावती अड़ी हुई हैं, जिस कारण बसपा के लगभग सारे सांसद इधर उधर बिखर रहे हैं। कुछ सांसद कांग्रेस में जा रहे हैं, कुछ सपा में जा रहे हैं, तो कुछ भाजपा में जा रहे हैं। विधानसभा में सिर्फ एक सीट जीतने के बाद से बसपा बिखराव के मुहाने पर है। अखिलेश यादव की तरह ही अरविन्द केजरीवाल भी कांग्रेस के साथ दबाव की राजनीति खेल रहे हैं। आम आदमी पार्टी की न तो दिल्ली में बातचीत टूटी है, न पंजाब में। जबकि केजरीवाल और भगवंत मान, दोनों ही सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि आम आदमी पार्टी अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को एक सीट देने की पेशकश की है, जबकि कांग्रेस अभी भी चार पर अड़ी हुई है। अंदरुनी खबर यह है कि एक-दो दिनों में ही केजरीवाल तीन सीटों की पेशकश करने जा रहे हैं। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव पर सुप्रीमकोर्ट के फैसले से पंजाब में भी केजरीवाल के अड़ियल रूख में बदलाव आया है।

सुप्रीमकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को जीता हुआ घोषित कर दिया। मेयर पद के चुनाव के लिए समर्थन मांगने केजरीवाल खुद राहुल गांधी के पास गए थे। यह फैसला हो गया था कि मेयर आम आदमी पार्टी का होगा, और डिप्टी मेयर कांग्रेस का होगा। चंडीगढ़ कॉरपोरेशन में 13 काउंसलर आम आदमी पार्टी के हैं, और 7 कांग्रेस के। दोनों पार्टियों के मिलकर 20 काउंसलर हो गए थे। दूसरी तरफ भाजपा के 14 और अकाली दल का एक काउंसलर है।

# अंजोरा में मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

**दुर्ग।** दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा में किसानों एवं उद्यमियों के विशेष मांग पर मुर्गी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 23 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.आर.बी.सिंह के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.एस.के. तिवारी के निर्देशन में विभिन्न जिलों से आए हुए 38 प्रतिभागियों, निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ.जी.के.दत्ता, निदेशक जैव प्रौद्योगिकी डॉ.एम.के. अवस्थी, डॉ.के . मुखर्जी, डॉ. केशब दास, डॉ.धीरेंद्र भोंसले, प्राध्यापको, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ.दिलीप चौधरी, उपकुलसचिव डॉ.एम.के. गेंदले, कुलपति जी के निज सहायक श्री संजीव जैन एवं अन्य की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा मुर्गी पालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे छत्तीसगढ़ में मुर्गी पालन की संभावनाएं, छत्तीसगढ़ की जलवायु के लिए उपयुक्त नस्ल, उनके आवास एवं सामान्य प्रबंधन, कुक्कुट आहार

का प्रबंधन, मुर्गियों में रोग प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार, मुर्गियों में होने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां उनका टीकाकरण, रोकथाम, कम लागत में मुर्गी घर का निर्माण, उनकी प्रजनन व्यवस्था, ब्रूडिंग, चूजा, ग्रोवर एवं लेयर पालन तथा प्रबंधन पर जानकारियां दी गई। छत्तीसगढ़ तथा भारत सरकार द्वारा मुर्गी पालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे नेशनल लाइव स्टॉक मिशन एवं नाबार्ड घोषित योजनाएं आवेदन प्रक्रिया, बैंक लोन की प्रक्रिया, छत्तीसगढ़ राज्य में रुरल इंडस्ट्रियल पार्क के अंतर्गत मुर्गी पालन में संभावनाओं के बारे में विभिन्न विषय विशेषज्ञों के द्वारा सारगर्भित व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 एवं बी.व्ही.एस.सी.एण्ड एच.के प्रथम वर्ष के बुकलेट का भी विमोचन किया गया। इस बुकलेट का प्रकाशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अनुसूचित जाति उपयोजना के वित्तीय सहयोग से किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ.आर.आर. बी.सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में मुर्गी पालन की असीम संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर मुर्गी पालन को बढ़ावा देने हेतु कुक्कुट जर्मप्लाज्म का वितरण विभिन्न परियोजना द्वारा लगातार किया जा रहा है। भविष्य में कुक्कुट पालन व्यवसाय को काफी आगे जाना है, बस आवश्यकता है सिर्फ कुशल प्रबंधन एवं तकनीकी जानकारी की। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर एस के तिवारी ने अपने व्याख्यान में कहा कि मुर्गी पालन हेतु किसानों को हमेशा तकनीकी सहयोग महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा। महाविद्यालय द्वारा बैकयार्ड कुक्कुट पालन हेतु बटेर, टर्की एवं वन राजा तथा कड़कनाथ मुर्गी चुजों का वितरण भी किया जाता रहा है।

## बिलासपुर में आईएमए स्टेट कॉफ्रेंस का वार्षिक सम्मेलन

**बिलासपुर।** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का 19वां स्टेट कॉन्फ्रेंस बिलासपुर में आयोजित होगा।दो दिवसीय सम्मेलन 24 और 25 फरवरी के दिन रखा गया है। कॉन्फ्रेंस में देश के करीब 400 डॉक्टर्स हिस्सा लेंगे। स्टेट कॉन्फ्रेंस में आधुनिक चिकित्सा पद्धति और इलाज संबंधी उपायों पर विस्तार से मंथन किया जाएगा।इस दौरान इस बात पर भी चर्चा होगी कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ किस तरह जरुरत मंद को मिले।

आईएमए के स्टेट प्रेसिडेंट डॉ विनोद तिवारी ने कॉन्फ्रेंस के बारे में जानकारी दी। डॉ विनोद तिवारी ने बताया कि स्टेट कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम अरुण साव हिस्सा लेंगे। साथ ही साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विधायक अमर अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक धरमजीत सिंह, विधायक अटल श्रीवास्तव भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। बिलासपुर के तिफरा स्थित होटल मोटेल में सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। आईएमए के दो दिवसीय कार्यक्रम में चिकित्सा जगत के विद्वान डॉक्टर्स शहर में मौजूद होंगे। केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य सुविधाएं अधिक से अधिक लोगों तक कैसे पहुंचे,इस विषय पर बात होगी। साथ ही नई टेक्नोलॉजी और दवाईयों के बारे में एक्सपर्ट्स जानकारी साझा करेंगे।ताकि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में इलाज के लिए नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो सके।

### एमसीबी में एनडीआरएफ का मॉकड्रिल

# स्कूली बच्चों ने सीखा आपदा से बचने के तरीके

**मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर।** जिले के खोंगापानी में एनडीआरएफ द्वारा मॉकड्रिल किया गया। मॉकड्रिल के तहत एक तालाब पर बाढ़ आपदा में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का सफल प्रदर्शन किया गया। यह मॉकड्रिल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोगापानी के स्टूडेंट्स के सामने किया गया। ताकि वे किसी आपदा की स्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकें।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोगापानी के स्कूली स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहद खास रहा। उन्हें आज आकस्मिक आपदा और बाढ़ से निपटने के लिए किए मॉकड्रिल को देखने का मौका मिला। इस दौरान स्कूली छात्रों ने आपदा से निपटने के तरीकों को सीखा। एनडीआरएफ के जवानों ने आपदा के समय व्यक्ति को पानी के भीतर खोजने और उन्हें सुरक्षापूर्वक लाइव बोट तक लाने का भी सफल प्रदर्शन किया।

एनडीआरएफ की टीम ने बचाव के दौरान उपयोग होने वाले सभी उपकरणों का डेमो भी दिया। इसमें सही तरीके से लाइफ जैकेट पहनना, डूबते व्यक्ति को तैराक द्वारा बचाना, अंडरवाटर ड्राइविंग एवं पानी के

भीतर व्यक्तियों को पता लगाने का भी सफल प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा जवानों ने परंपरागत तरीके से निर्मित गांव में उपलब्ध सामानों से बचाव के उपकरण तैयार करने और बचाने के तरीके भी बताए। इस दौरान मोटर बोट, चेन सा आस्का लाइट, फुल बॉडी हार्नेस, लाइफ ब्वॉय, लाइफ जैकेट, स्ट्रेचर, रस्सी, फर्स्ट एड बॉक्स आदि का प्रदर्शन और उपयोग के तरीके बताए गए।

इस संयुक्त मॉकड्रिल में एनडीआरएफ, डीडीआरएफ कोरिया और ओडीआरएफ सूरजपुर के जवान शामिल हुए। इस अवसर पर टीम का नेतृत्व कर रहे अधिकारियों में एनडीआरएफ डिप्टी कमांडेंट कन्हैया योगी, जिला कमांडेंट संजय गुप्ता, एनडीआरएफ सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार, राजीव कुमार मौजूद रहे।

# बिलासपुर में अनोखा चोर गिरोह, बेटा उड़ाता था जेवर, मां खपाती थी गहने

**बिलासपुर।** तोरवा थाना क्षेत्र के देवरीखुर्द के सुने मकानो में चोरी आम बात हो गई। लगातार पीड़ित पुलिस के पास शिकायत लेकर पहुंचने लगे। इसके बाद तोरवा पुलिस ने एक टीम बनाई और चोरों की तलाश शुरू कर दी।

### सूने मकानों में चोरी का खुलासा

मुखबिर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अटल आवास के रहने वाले पक्का उर्फ प्रकाश जेम्स को पकड़ा। उससे पूछताछ करने एसीसीयू टीम को सौंप दिया। एसीसीयू टीम ने कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपी पक्का ने अपने साथी अटल आवास में रहने वाले ओमप्रकाश नेताम के साथ मिलकर देवरीखुर्द में चोरी करने की बात कबूली।

### बेटे के चोरी में मां भी देती थी साथ

आरोपी ने बताया कि उसने आकाश सिंघल,शैलेंद्र श्रीवास्तव,अमृत लाल यादव, अनीता शर्मा के सूने मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। आरोपी ने ये भी बताया कि उसकी मां इन्द्राणी बाई भी इस काम में साथ देती थी। वह चोरी के जेवर खपाने का काम करती थी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

### 15 लाख रुपये का सामान बरामद

कोतवाली सीएसपी पुजा कुमार ने बताया कि सूने मकान में चोरी के आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। उनके कब्जे से 15 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया है। जिसमें सोने के कई गहने और चांदी के जेवर शामिल है। आरोपी ने चोरी की रकम में अपने लिए नई गाड़ी भी खरीदी थी। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही अपने पहनने के लिए कई नए कपड़े भी खरीदे थे। आरोपी पक्का उर्फ प्रकाश ने पहले भी चोरी के मामले में पकड़ा जा चुका है।

# साधराम हत्याकांड : सीबीआई जांच, एक करोड़ रुपये और सरकारी नौकरी की मांग

**कवर्धा।** कवर्धा शहर से लगे ग्राम लालपुरकला में 21 जनवरी को साधराम यादव की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ कई गंभीर धारा भी लगाया गया है। मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर आज गुरुवार 22 फरवरी को यादव समाज कवर्धा में चरवाहा न्याय रैली निकालेगी।

इस प्रदर्शन को लेकर कवर्धा शहर के सरदार पटेल मैदान में सभा का आयोजन किया जा रहा है। यादव समाज के लोग खुमरी, लाठी लेकर शामिल हुए। समाज के जिला अध्यक्ष राकेश यदु ने बताया कि 21 जनवरी को ग्राम लालपुरकला निवासी गौ सेवक साधराम यादव की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। हत्या के कारण का स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। पीड़ित परिवार के लोगों को अब तक न्याय नहीं

मिला है। मामले की सीबीआई जांच, पीड़ित परिवार को एक करोड़ मुआवजा व एक परिजन को शासकीय नौकरी देने की मांग है।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा रायपुर में इस मामले को लेकर कांग्रेस विधायकों ने उठाया है। भिलाई से विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार का दोहरा चरित्र सबके सामने हैं। साधराम यादव की नृशंस हत्या को एक महीने बीत जाने के बावजूद परिवार निष्पक्ष जांच और जायज मुआवजे की मांग को लेकर भटक रहा है। सदन पर सवाल उठाने पर विधायकों को निलंबित कर दिया जाता है। स्व.साधराम के परिजनों को न्याय दिलाने कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। गौरतलब है कि बुधवार को विधायक देवेन्द्र यादव ने ग्राम लालपुर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की थी।

पुलिस ने हत्या में शामिल सभी छह आरोपियों के खिलाफ 16 यूएपीए एक्ट जोड़ा है। यानी साधराम यादव हत्याकांड में आतंकी कनेक्शन के सबूत पुलिस को मिले है। वर्तमान में पांच आरोपी कवर्धा के जेल व एक नाबालिग आरोपी बाल सुधार गृह में है। आरोपी के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता की धारा जोड़ी गई है। प्रदेश में पहली बार किसी हत्याकांड में आंतकी कनेक्शन का दावा किया जा रहा है। जांच के दौरान पुलिस को ऐसे कई साक्ष्य मिले हैं।

## बाल विवाह को जिला प्रशासन ने रोका, अंकसूची से किया मिलान

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के ग्राम तरौदा में किशोरी के विवाह पर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच कर विवाह को रोका गया। नाबालिक कन्या की अंकसूची में आयु का मिलान किया गया। जिसमे 16 वर्ष 11 माह का होना पाया गया जिस पर नाबालिक बालिका के परिजनों और वर पक्ष के लोगो को समझाईस दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन को सूचना मिली की ग्राम तरौद नाबालिक बालिका की विहाह हो रही है। जिसपर कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में जिला महिला बाल विकास अधिकारी अनिता अग्रवाल के निर्देश पर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी की टीम मौके पर पहुंची। जहां बालिका की अंकसूची की जांच की गई इस दौरान बालिका की उम्र 16 साल 11 माह 2 दिन का होना पाया गया।

नाबालिक बालिका का विवाह पिपरस्ती निवासी लड़के से 24 फरवरी को होने जा रही थी। नाबालिक बालिका का उम्र का सत्यापन की गई, जिसके बाद नाबालिक बालिका के परिजनों समझाया गया। बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम के बार में जानकारी दी गई, बाल विवाह करने पर कानूनी कार्रवाई के बारे में बताया गया जिसके बाद परिजनों ने शादी रोक दी। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है। यदि कोई व्यक्ति 21 वर्ष से कम आयु का लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का बाल विवाह करता है अथवा उसमें सहायता करता है तथा बाल विवाह को बढ़ावा देता है, उसकी अनुमति देता है, बाल विवाह में सम्मिलित होता है तो 2 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 1 लाख रुपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### जंगल में लगी तार की फेंसिंग में फंसा भालू

**महासमुंद।** गुरुवार सुबह पिथौरा वन परिक्षेत्र में स्थित सुखीपाली के जंगल पहुंचे ग्रामीण उस वक्त हैरान रह गए जब उन्होंने एक भालू को कटीले तारों की फेंसिंग में बुरी फंसा हुआ देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने आनन-फानन में इसकी सूचना पिथौरा वन परिक्षेत्र की टीम दी। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने भालू के रेस्क्यू की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सके जिसके बाद अब इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए राजधानी रायपुर से रेस्क्यू टीम को बुलाया गया है। मौके पर मौजूद रेजर मोती साहू ने बताया कि भालू का गाला कटीले तारों की फेंसिंग में बुरी तरह से फंसा हुआ है। रायपुर से टीम आ रही है, टीम के आने के बाद ट्रैकुलाइजर गन से भालू को बेसुध करने के बाद उसे तारों से बाहर निकला जाएगा। अगर भालू को कीसी भी प्रकार से चोट आई होगी तो उसे वन अमला अपनी निगरानी में रखकर उसकी देखभाल करेगा। लेकिन अगर वह स्वस्थ हुआ तो उसे जंगल में छोड़ दिया जाएगा। भालू के फंसने की खबर के बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी गई।

### जगदलपुर में हाईवे पर लकड़ियों से भरा ट्रक पलटा

**जगदलपुर।** राष्ट्रीय राजमार्ग 63 पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीती रात पंडरीपानी मोड़ पर लकड़ियों से भरा ट्रक पलट गया। इस हादसे में चालक जहां सुरक्षित रहा, वहीं हेल्पर के हाथ में चोट लगने के कारण उसे उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए ट्रक चालक ने बताया कि वह लकड़ियों को भरकर केशलूर की ओर जा रहा था। तभी बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक बजे के लगभग ट्रक का लोहा टूटने से हादसा हो गया। ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर जा गिरा। वहीं लकड़ियों को जिस रस्सी से बांधा गया था, वह भी टूटने से ट्रक मोड़ में पलट गया, जिसके चलते लकड़ियां खेत में जा गिरा, चालक तो सुरक्षित रहा पर हेल्पर घायल होने से अस्पताल ले जाया गया। वहीं सड़क के ऊपर ट्रक पलटने के कारण अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंडरीपानी के जिस मोड़ में यह घटना घटी है, वहां की बात करे तो इसी मोड़ में शहर के कुछ युवाओ की कार पेड़ में टकराने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

### तांत्रिक के घर मिले महिलाओं और पुरुषों के संदिग्ध फोटो

**बिलासपुर।** बिलासपुर में विशेष समुदाय के आवास से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों व पुरुषों के संदिग्ध फोटो बरामद हुए हैं। तस्वीरों में संदेहास्पद निशान लगे हुए हैं, जिसके बाद इन तस्वीरों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है जहां से ये तस्वीरें मिलीं हैं वहां पर विशेष समुदाय का व्यक्ति झाड़ फूंक का काम करता था। तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल होने और हिंदू संगठनों की आपत्ति के बाद पुलिस ने अब मामले में जांच शुरू कर दी है। दरअसल मामला तोरवा थाना क्षेत्र के देवरीखुर्द का है जहां अटल आवास में एक विशेष समुदाय का व्यक्ति रहता है। युवक का नाम सादिक रजा कादिर बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक सादिक के आवास से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों और पुरुषों का संदिग्ध फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। जिसमें कई संदेहास्पद निशान लगे हुए हैं। एक साथ बड़ी संख्या में संदिग्ध स्थिति में तस्वीरों के मिलने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि, विशेष समुदाय के लोग आवास में झाड़ फूंक का काम करते थे।

### बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलटी

**धरसीवां/रायपुर।** राजधानी रायपुर में बाराती बस दुर्घटना की शिकार हो गई। बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे घटना से कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह पूरा मामला रायपुर के धरसीवां थाना क्षेत्र के सिलतरा इलाके का है। जानकारी के अनुसार, बारातियों से भरी बस दामाखेड़ा से रायपुर लौट रही थी। इस दौरान करीबन देर रात तीन बजे बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धरसीवां थाना पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब घायल की स्थित सामान्य है।

### तीन बैगा आदिवासियों की मौत मामले में बड़ा खुलासा

**कवर्धा।** नागाडबरा में तीन बैगा आदिवासियों की मौत के मामले में पुलिस ने गुरुवार को बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में एक नाबालिग समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल 14 जनवरी को कुकदुर थाना अंतर्गत नागाडबरा में पति पत्नी और बच्चे समेत तीन बैगा आदिवासियों की जली हालात में लाश मिली थी। इस मामले में कांग्रेस ने थाने का घेराव किया था। वहीं प्रदर्शन कर न्यायिक जांच कराने की मांग की थी। कांग्रेस ने घटना को लेकर ने आरोप लगाया था कि मौत जलकर नहीं हुई है बल्कि हत्या की गई है। कांग्रेस के हंगामे के बाद पुलिस हरकत में आई। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में 14 लोगों को हत्या करने के शक में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया है। वहीं पुलिस ने बैगा आदिवासियों की मौत आग लगने से होना बताया था। मौके पर कुल्हाड़ी और खून के छीटें भी मिले थे। जिस पर जांच की जा रही थी। घटना के 34 दिन बाद फॉरेंसिक जांच में खुलासा हुआ कि तीनों की हत्या की गई है।

# मैनपाट महोत्सव : साइकिल रेस में प्रतिभागियों ने जीत के लिए लगाया दमखम

- पुरुष वर्ग में दिव्यांशु और महिला वर्ग में एलिजाबेथ ने प्राप्त किया प्रथम स्थान, महोत्सव में होंगे पुरस्कृत

**अंबिकापुर।** मैनपाट महोत्सव 2024 के अवसर पर गुरुवार को साइकिल रेस का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, नगर निगम अम्बिकापुर महापौर डॉ अजय तिर्की, कलेक्टर श्री विलास भोस्कर, एसपी श्री विजय अग्रवाल तथा जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कुमार कंवर ने अम्बिकापुर के घड़ी चौक से हरी झंडी दिखाकर रेस की शुरुआत की और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। यह रेस घड़ी चौक अम्बिकापुर से शुरू होकर मैनपाट रोड नवापारा कला में समाप्त हुई। कुल 30 कि.मी. में आयोजित इस रेस में राज्य के अलग-अलग जिलों से आए 200 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और जीत के लिए दम लगाया।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में बिलासपुर निवासी दिव्यांशु सिंह ने प्रथम स्थान, रायगढ़ निवासी उदित नारायण प्रधान ने द्वितीय स्थान, रायगढ़ निवासी अतुल प्रधान ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में जशपुर निवासी एलिजाबेथ बेक ने प्रथम स्थान, कटघोरा निवासी अनुसुईया ने द्वितीय स्थान, और मानिकप्रकाशपुर निवासी प्रियंका मिंज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान दसवें स्थान तक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। साइकिल रेस के विजेता महिला एवं पुरूष प्रतिभागियों को जिला प्रशासन सरगुजा की ओर से मैनपाट महोत्सव के पहले दिन नगद पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त महिला और पुरूष खिलाड़ी को पृथक पृथक क्रमशः 21,000 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त महिला और पुरूष खिलाड़ी को 11,000 रुपए, एवं तृतीय स्थान प्राप्त महिला और पुरूष खिलाड़ी को 5,100 रूपये का पृथक-पृथक नगद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा एवं 1100 रुपए का सांत्वना पुरूस्कार प्रदान किया जायेगा।

### महोत्सव के दौरान रोपाखार मैनपाट की विदेशी मदिरा दुकानों को बंद करने हेतु आदेश जारी

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री विलास भोस्कर द्वारा छत्तीसगढ़ अबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोजित मैनपाट महोत्सव 23 से 25 फरवरी को कानून व्यवस्था एवं लोक शांति को दृष्टिगत रखते हुए रोपाखार मैनपाट में संचालित एफ एल-1 घ घ विदेशी मदिरा दुकान को पूर्णतः बंद रखने हेतु उपरोक्तानुसार दिवसों को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। घोषित शुष्क दिवस में मदिरा का विक्रय एवं परिवहन परोसना पूर्णतः बंद रहेगा।

# फर्नेस ब्लास्ट के बाद उठी फार्च्यून टीएमटी फैक्ट्री को बंद करने की मांग

- आक्रोशित ग्रामीणों ने फैक्ट्री के बाहर किया प्रदर्शन

**धरसींवा।** फार्च्यून टीएमटी फैक्ट्री में बुधवार को हुए फर्नेश ब्लास्ट में श्रमिक की मौत और कुछ श्रमिको के गंभीर रूप से घायल होने से आक्रोशित ग्रामीण एवं जिला कांग्रेस कमेटी ने फैक्ट्री के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ग्रामीणो का कहना है कि फेक्ट्री गांव के रहवासी मकानों के बीच है इससे उन्हें आए दिन फेक्ट्री में होने वाले हादसों और प्रदूषण से भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार को हुए फर्नेस ब्लास्ट में आसपास के रहवासियों के मकानों की दीवारें हिल गई। इस दौरान कई ग्रामीण घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए थे। वहीं इस घटना में एक मजदूर की मौत के बाद भी फैक्ट्री में

काम चालू होने की वजह से ग्रामीणों ने खासी नाराजगी जताई है।

बता दें कि फार्च्यून मैटेलिक फैक्ट्री में हुए इस ब्लास्ट में श्रमिक मिंटू कुमार की मौत हो गई, वहीं दो अन्य श्रमिक घायल हो गए थे। जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है। धरसीवा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# विधानसभा में गूंजा सड़क का मुद्दा, डीएमएफ मद से सड़क निर्माण में भष्ट्राचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही के तेरहवें दिन बिलासपुर संभाग में डीएमएफ मद से सड़क निर्माण और भिलाई के हथखोज में सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जे को लेकर सवाल उठा। जिस पर मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने जवाब दिया।

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने बिलासपुर और मुंगेली में प्रधानमंत्री सड़क योजना के लिए सड़क स्वीकृत किए गए हैं। जो 2021 से है।इस काम में टेंडर की प्रक्रिया कब तक पूरी हो जाएगी। इस सवाल के जवाब में मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने जवाब दिया। श्यामबिहारी ने बताया कि टेंडर की प्रक्रिया विस्तृत है।और जल्द ही काम शुरु होगा। इस पर विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रदेश में सड़कों की हालत खराब है ले देकर कुछ सड़क स्वीकृत हुए हैं।ग्रामीण इलाकों में स्थिति और खराब है।जिसके कारण गांववाले नाराज हैं।मंत्री जी से मैं कहना चाहता हूं कि टेंडर की प्रक्रिया विस्तृत नहीं है जो चलती रहेगी।जब राशि स्वीकृत हो चुकी है तो उस सड़क का काम क्यों नहीं कराया जा रहा है।तो इस का काम की कुछ समय सीमा बताएंगे।

विधायक धरमलाल कौशिक के सवाल पर मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि इस काम को शीघ्र किया जाएगा। क्योंकि समय से पहले टेंडर खोल नहीं सकते। जैसे ही टेंडर की समय सीमा पूरी होगी। टेंडर खोलकर काम को बांट दिया जाएगा।

इसके बाद धरमजीत सिंह ने विधानसभा में डीएमएफ राशि से सड़क निर्माण का मुद्दा उठाया।

दस साल में तखतपुर विधानसभा में कितनी सड़के आरईएस ने बनाई है। जो जवाब आया है कि दस साल में दस सड़क आरईएस ने बनाया। जिसमें अभी तीन सड़क पर काम चल रहा है।ये तीनों सड़क 22-23 में डीएमएफ मद से स्वीकृत हुआ है। जिसमें दो सड़कें 30 लाख और एक सड़क 18 लाख की लागत से बनाई जा रही है। इन तीनों ही सड़क निर्माण में जो बात सामने आई है वो ये है कि तीनों ही सड़क में मुरूम बिछाई का काम पूरा करने की बात लिखी गई है। शेष काम प्रगति पर है। इसी काम को लेकर 29 नवंबर को तीनों ही ठेकेदारों को नोटिस दिया गया है। जो इस बात को स्पष्ट कर रहा है कि डीएमएफ की राशि का किस तरह से दुरुपयोग किया जा रहा है। तो क्या आप अपने अधिकारी को ये आदेश देंगे कि वो मुझे मौके पर ले जाकर तीनों ही सड़कों का भौतिक सत्यापन कराए। साथ ही हर सड़क के दुरुस्त होने की बात लिखी गई है। क्या इसका सत्यापन भी कराया जाएगा।

इस सवाल के जवाब में मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि निश्चित रूप से आप जिला लेवल के अधिकारी के साथ जाकर सड़क निर्माण कार्य को देख सकते हैं। मौके पर जाकर जो भी दिक्कतें आ रही हैं उसे देखकर अधिकारियों से सलाह मशविरा कर सकते हैं।साथ ही साथ सड़क क्यों नहीं बनी इस बात की भी जांच कराई जाएगी।

इस सवाल का जवाब सुनने के बाद अध्यक्ष रमन सिंह ने मंत्री से पूछा कि 30 लाख में कौन सी सड़क बनती है। ये कैसा जादू है और कौन जादूगर है। जो 30 लाख में सड़क बना रहा है। अध्यक्ष के सवाल पर विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि यही वो डीएमएफ का पैसा है जिसे इस तरह के कामों में लगाकर बंदरबांट किया जाता है। इस पर अध्यक्ष ने मंत्री को सवाल का जवाब और कार्रवाई की बात करने पर बधाई दी।

### रिकेश सेन ने उठाया सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला

विधानसभा में विधायक रिकेश सेन ने हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में 100 एकड़ पर हुए अवैध कब्जे का मामला उठाया। रिकेश सेन ने उद्योग मंत्री से जवाब मांगा कि क्या वो सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त करवाएंगे।यदि हां तो कितने दिनों में ये काम होगा।ताकि वहां की जमीन पर उद्योग लगाकर नौजवानों को रोजगार दिया जा सके।

### अवैध कब्जा हटाकर जमीन कराया जाएगा मुक्त

इस सवाल के जवाब में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि यदि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके निर्माण हुआ है तो उसे कब्जा मुक्त कराया जाएगा।इसी बीच भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि विधायक को तो सिर्फ बुलडोजर चलाना है इसलिए बुलडोजर चलाने की परमिशन चाहते हैं।इस पर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि ये मांग मैंने अपने घर के लिए नहीं की है।बल्कि नौजवानों के भविष्य के लिए की है।

## छत्तीसगढ़ में जल्द होगी 33 हजार शिक्षकों की भर्ती : बृजमोहन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में शिक्षक बनने की राह देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। प्रदेश में जल्दी ही 33 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए तैयारियां जोरो पर है। इसके साथ ही टीईटी परीक्षा का आयोजन भी जल्द होगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग छत्तीसगढ़ के संचालक राजेंद्र कटारा को राज्य में जल्द शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट आयोजित कराने के निर्देश दिए है। शिक्षा मंत्री अग्रवाल के निर्देश के बाद एससीईआरटी ने व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) को पत्र लिखकर राज्य में जल्द से जल्द टीईटी परीक्षा के आयोजन के लिए कहा है। उन्होंने विधानसभा में राज्य में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की थी। उसी क्रम में राज्य में टीईटी की परीक्षा के आयोजन की तैयारी की जा रही। हमारी सरकार में किसी भी युवा के साथ अन्याय नहीं होगा। ज्यादा से ज्यादा युवा भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सके इसके लिए टीईटी परीक्षा के आयोजन की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग तीन साल से टीईटी परीक्षा का आयोजन नहीं हुआ है, जिसके कारण शिक्षक बनने का सपना देखने वाले युवाओं में काफी निराशा है, जिसके चलते युवा अभ्यर्थी उन्हें राज्य में टीईटी परीक्षा आयोजित करने के लिए ज्ञापन सौंपा था।

## संक्षिप्त समाचार

### मेला आयोजन के लिए तीन नगरीय निकायों को 45 लाख जारी

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने मेलों के आयोजन के लिए 45 लाख रुपए जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रतनपुर नगर पालिका को माघी पूर्णिमा मेला के लिए 15 लाख रुपए तथा राजिम कुंभ मेला आयोजन के लिए राजिम नगर पंचायत को 15 लाख रुपए एवं गोबरा नवापारा नगर पालिका को 15 लाख रुपए जारी किए गए हैं।

### सामुदायिक भवन पर पूर्व मंत्री की पत्नी का कब्जा, खर्च किए एक करोड़

**रायपुर।** नगर निगम की सामान्य सभा में बुधवार को सामुदायिक भवन पर पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया के परिवार के कब्जे को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने आरोप लगाया कि सामुदायिक भवन पर पूर्व मंत्री की पत्नी ने कब्जा कर रखा है। जबकि नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अफसरों ने इस भवन में रंगरोगन, फर्नीचर तथा अन्य सुविधाओं पर करीब एक करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह भवन आम लोगों को नहीं दिया जा रहा है। बताया जा रहा है राजश्री सद्भावना समिति के नाम पर इसके देखरेख का जिम्मा दिया गया था और राशि भी उन्ही के हवाले से खर्च किया गया है.समिति भी घेरे में आ गई है। सामान्य सभा में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने मामला उठाया तो एमआईसी मेंबर्स को भी जवाब देते नहीं बन रहा था। आखिर इतना बड़ा मामला कैसे दब गया। जबकि जोन से सब कागजी प्रक्रिया हुई है। संभावना आज फिर इस पर बवाल हो सकता है।

### 24 फरवरी से क्रिकेट के मैदान में भिड़ेंगे विभिन्न शहरों के अग्रवाल युवा

**रायपुर।** अग्रवाल युवा मंडल रायपुर द्वारा दो दिवसीय ओडिशा और बंगाल कैरियर के सहयोग से अग्रवाल प्रीमियर लीग 2.0 का आगाज 24 फरवरी को होने जा रहा है जिसमें 24 टीमें भाग ले रही हैं। यह प्रतियोगिता राजेंद्र नगर के नेटफ्लिक्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। युवा मंडल के अध्यक्ष राम अग्रवाल , महामंत्री सीएस सौरभ अग्रवाल व प्रचार प्रसार प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया कि इस वर्ष रायपुर अग्रवाल सभा की विभिन्न मोहल्ला समितियों के अलावा छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों भिलाई, धमतरी, बसना, राजनांदगांव से भी अग्रवाल युवाओ की 24 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने आ रही है। क्रिकेट प्रतियोगिता के संचालन के लिए 7 सदस्य समिति गठित की गई है जिसमें युवा मंडल के सीए गोपाल अग्रवाल, वेदांत अग्रवाल, अमर अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, उदय बजाज, सीए अभिषेक टेकरीवाल, अभिषेक पोद्दार शामिल है। आयुष मुरारका ने बताया कि विजेता को 31000 का नगद एवं उपविजेता को 21000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

### छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर फिर मिली उपलब्धि

## आउटस्टैण्डिंग कम्यूनिटी बेस्ड ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट में विजेता बना छत्तीसगढ़

- छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड 2024 से नवाजा गया
- मुख्यमंत्री साय ने उपलब्धि के लिए दी बधाई और शुभकामनाएं

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर फिर उपलब्धि हासिल की है। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड, 2024 से नवाजा गया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर आउटस्टैण्डिंग कम्यूनिटी बेस्ड ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट श्रेणी में विजेता बना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितीन गड़करी ने 21 फरवरी को नई दिल्ली में यह पुरस्कार सीबीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित सरकार को प्रदान किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा विगत् एक दशक से भी अधिक समय से जैव ईंधन तथा जैव ऊर्जा के

क्षेत्र में ग्रामीण किसानों और हितग्राहियों को जोड़कर उल्लेखनीय काम किया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा बायोडीजल, बायो-एथेनॉल, बायोजेट एवीयेशन फ्यूल, जैव-सीएनजी, बायोगैस से बिजली उत्पादन और ग्रिड में समायोजन जैसे कई सफल अनुसंधान एवं विकास कार्य किया है। प्राधिकरण को अपने सफल प्रयोगों से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धियो देखते हुए इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड, 2024 पुरस्कार दिया गया है।

## लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी अनवरत : विजय शर्मा

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने लोकसभा चुनाव को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की तैयारी अनवरत होती है। पूरी ताकत के साथ जन-जन तक पहुंचेंगे और लोकसभा की एक-एक सीट पूरे 11 की 11 सीट भारतीय जनता पार्टी जीते इसके लिए प्राण लगा देंगे।

दरअसल, इसी साल यानी 2024 में देश में लोकसभा का चुनाव होने वाला है। इसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने तैयारी तेज कर दी है। वहीं चुनाव के चलते राष्ट्रीय नेताओं का छत्तीसगढ़ दौरा जारी है। इसकी कड़ी में आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रदेश प्रवास पर पहुंचे हैं। अमित शाह का स्वागत करने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचे डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का संगठनात्मक दौरा है। लोकसभा चुनाव के संदर्भ में बैठक लेंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर शंखनाद किए जाने पर विजय शर्मा ने कहा कि बीजेपी की तैयारी अनवरत होती है। भाजपा आज से शुरुआत करने जा रही है। पूरी ताकत के साथ जन-जन तक पहुंचेंगे और लोकसभा

की एक-एक सीट पूरे 11 की 11 सीट भाजपा जीते इसके लिए प्राण लगा देंगे।

कांग्रेस के 10 सालों के हिसाब देने के सवाल पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, 10 साल का हिसाब जरूर देंगे। गांव-गांव में कानपुर, लखनऊ सब जगह बम फूटा करते थे, अब बम नहीं फट रहे। धारा 370 कभी नहीं हटाई गई, कश्मीर को अभिन्न अंग होना था, कश्मीर को अलग करके रखा, वहां 370 हटाया गया इसका हिसाब हम जरूर देंगे।

उन्होंने कहा कि 500 सालों से प्रभु राम प्रतीक्षा रखते रहे, अपने घर नहीं जा सके, उनके लिए भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया गया उसका जवाब जरूर देंगे। पहले पिस्तौल और छर्रे भी आयात किए जाते थे, आज ब्रह्मोस फिलीपींस को हम एक्सपोर्ट करने वाले हैं, यह जवाब हम जरूर देंगे। कितने सेटेलाइट हम ऊपर लगा दिए उसका जवाब देंगे। दुनिया का सबसे ऊंचा पुल बना हुआ है, जितना हिसाब देना है सब देंगे।

चुनाव के बाद कांग्रेस हताशा में है के सवाल पर विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा और किसी अन्य पार्टी के सिद्धांतों में फर्क है। हम चाहते हैं कि देश महान हो देश आगे बढ़े। हम चाहते हैं देश सशक्त हो भारत की सफलता का डंका पूरी दुनिया में बजे। कोई हमको हराना चाहता है हमको पीछे करना चाहता है। बीजेपी आगे हो जाए तो वह निराश हो जाते हैं, यह फर्क है। कौन क्या कर रहे हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हमारा लक्ष्य निश्चित है। उस लक्ष्य के लिए हम सभी लोग आगे बढ़ रहे हैं।

## आठ साल बाद बस्तर पहुंचे राजनाथ पार्टी नेताओं से की मुलाकात

**जगदलपुर।** वर्ष 2016 में पहली बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बस्तर पहुँचे थे, जहाँ चुनावी माहौल को देखने के साथ ही कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद एक चुनावी बिगुल की शुरुआत की थी, उस चुनाव के ठीक बाद 22 फरवरी 2024 को रक्षा मंत्री दोबारा बस्तर पहुँचे हैं। यहाँ पहुँचते ही पुराने कार्यकर्ताओं को देखने के बाद उनसे उनकी कुशलक्षेम पूछा और 15 मिनट की बातचीत के बाद ओड़िसा के लिए रवाना हो गए।

दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार की सुबह जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में हेलीकॉप्टर बदलने के दौरान 15 मिनट रुक कर वहां उनका स्वागत करने के लिए आये कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने ओड़िसा में होने वाली क्लस्टर बैठक में शामिल होने की बात बताई साथ ही वहां एक ही दिन में तीन बैठक लेने के बाद दिल्ली रवाना होने की बात का जिक्र भी किया।

इस 15 मिनट के बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत लगाकर भाजपा को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को विचारधारा से लेकर उन्हें मजबूत टीम तैयार करने की बात भी कही। जिस पर टीम लीडरों के द्वारा अपना सौ प्रतिशत देने की बात कही, इसके अलावा रक्षा मंत्री ने पुराने कार्यकर्ताओं को देखकर उनसे बातचीत की और आने वाले दिनों में होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने लोगों को विजयी बनाने की बात कही। इस दौरान पूर्व सांसद से लेकर अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

## 2047 के विकसित भारत का विकसित रेल थीम पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

- रायपुर रेल मंडल क्षेत्राधिकार के 75 स्कूलों में आयोजित की गई अनेक प्रतियोगिताएं, 828 हुए पुरस्कृत

**रायपुर।** 2047 के विकसित भारत का विकसित रेल के अंतर्गत देश में रेल विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों के महत्वपूर्ण कड़ी में 26 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत 554 महत्वपूर्ण स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास तथा 1500 रेल ओवरब्रिज/अंडरब्रिज का लोकार्पण/शिलान्यास वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही पूरे देश में रेल्वे की 40 हज़ार करोड़ से अधिक परियोजनाओं के कार्यों की भी शुरुआत की जाएगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पहली कड़ी में 508 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला अगस्त 2023 में रखी जा चुकी है।

इसी संदर्भ में 2047 के विकसित भारत का विकसित रेल थीम पर पूरे देश में स्कूली बच्चों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का

आयोजन किया जा रहा है 7 इन प्रतियोगिताओं में देश भर के चार हज़ार स्कूलों के 4 लाख बच्चों ने भाग लिया जिसमे से अलग अलग विधाओं में चुनकर 46000 बच्चों को अलग अलग जगह पुरस्कृत किया जाएगा।

इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 2047 के विकसित भारत का विकसित रेल थीम पर स्कूली बच्चों के मध्य पेंटिंग, कविता, भाषण, निबंध, कहानी लेखन, यात्रा वृतांत जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया 7 रायपुर मंडल क्षेत्राधिकार के 75 विद्यालयों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगभग 4620 बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। स्कूली बच्चों ने अपनी पेंटिंग कला, कविता शैली, वाक-पटुता, लेखन कला और यात्रा वृतांत को अपनी बेहतरीन कला तथा विकसित भारत में विकसित रेल की कल्पनीय संकल्पना को अनेक रूपों में प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों में अति उत्साह का माहौल देखा गया। सभी की संकल्पना है कि विकसित रेलवे सुगमता, सुरक्षा, तकनीकी उन्नति और पर्यावरणीय संरक्षण पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा।

इस प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को 26 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत 554 महत्वपूर्ण स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास/लोकार्पण समारोह के दौरान मंडल के विभिन्न स्टेशनों में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा।

## दो दिवसीय राज्य स्तरीय टेंपोरल बोन डिसेक्शन वर्कशॉप 1 मार्च से

- एम्स के डायरेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ अशोक जिंदल होंगे मुख्य अतिथि

**रायपुर।** आगामी 1 और 2 मार्च को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में आयोजित की जा रही कान नाक गला विशेषज्ञों की टेंपोरल बोन डिसेक्शन वर्कशॉप और राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि एम्स के नव पदस्थ डायरेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ अशोक जिंदल होंगे।

यह जानकारी आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉक्टर रेनू राजगुरु व महासचिव डॉ अनिल जैन ने दी। उन्होंने बताया कि इस कांफ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने डॉक्टरों का प्रतिनिधि मंडल ने उनसे मुलाकात की ।डॉ अशोक जिंदल ने उनके आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर अपनी सहमति प्रदान की। प्रतिनिधि मंडल में आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉक्टर रेनू राजगुरु महासचिव डॉ अनिल जैन प्रोफेसर रिपु दमन अरोड़ा आई एम ए रायपुर के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ,डॉ अशोक बजाज डॉक्टर ओम प्रकाश लेखवानी शामिल थे।

मार्च प्रथम सप्ताह में प्रदेश भर के सभी मेडिकल कॉलेजो के स्नातकोत्तर छात्र और विशेषज्ञ ईएनटी सर्जन इस कांफ्रेंस में उपस्थित रहेंगे। कान की हड्डी की माइक्रो सर्जिकल डिसेक्शन कोर्स को मुख्य मार्गदर्शक के रूप में संपन्न करने के लिए हैदराबाद के प्रख्यात कान रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जी वी एस राव इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर जेके शर्मा पोस्टर एवं डॉ नितिन नागरकर श्रेष्ठ पी जी पेपर अवार्ड के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़**

**मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना**

निविदा क्रमांक 15/व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड 2024 — गरियाबंद, दिनाँक 19-02-2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो / सामग्री के निर्माता एवं अधिकृत विक्रेताओं से निम्नलिखित समय सारिणी एवं विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती:-

| स.क्र. | ग्राम का नाम | अनुमानित लागत (रू. लाख में) | अमानत राशि |
|---|---|---|---|
| 1 | गरियाबंद जिले के जिला प्रयोगशाला के जल परीक्षण हेतु Chemicals & standard (CRM) Required (सूची अनुसार) प्रदाय कार्य । | 4.44 लाख | 3400/- |
| 2 | गरियाबंद जिले के जिला प्रयोगशाला के जल परीक्षण हेतु Multiparameter water quality analyzer/ testing device for sub division level labortory at Rajim and Devbhog (सूची अनुसार) प्रदाय कार्य । | 10.00 लाख | 7500/- |

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में दिनांक 28.02.2024 तक देखी जा सकती हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद ( छ.ग. )

जी-07981/2

# देश में द्विदलीय प्रणाली वक्त की जरूरत ?

**राजेश बादल**

भारतीय राजनीति अपने संक्रमण काल का सामना कर रही है। किसी भी लोकतंत्र में यह कोई अस्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है। कालखंड के हिसाब से समाज और देश अपने आपको बदलता है तो उसकी शासन प्रणाली क्यों अपरिवर्तित रहनी चाहिए। अभी तक बहुदलीय व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की खास बात रही है। सदियों की गुलामी के बाद जब हिंदुस्तान आजाद हुआ तो सबसे पहली आवश्यकता लोगों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बहाल करना था। भारतीय संविधान ने अभी तक इस देश को यह गारंटी दी है। किसी भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त सामूहिक नेतृत्व ही होता है। यह तभी संभव है, जब विविध संस्कृतियों और धर्मों की कोख से नेतृत्व की तमाम समान धाराएं निकलें और राष्ट्र की मुख्य प्रशासनिक गंगा में समा जाएं। हिंदुस्तान में बीते पचहत्तर साल में ऐसा हुआ है। इसी कारण अलग-अलग सभ्यतागत चरित्र, सामाजिक संरचना, आस्था और अपनी विभिन्न मान्यताओं-धारणाओं को स्वीकार करते हुए भारत दुनिया में अपने लोकतंत्र की साख कायम कर चुका है। ऐसा कोई भी देश नहीं है, जहां संस्कृति का इतना मिश्रित स्वरूप देखने को मिलता हो। इसलिए बहुदलीय लोकतंत्र यहां के लिए सर्वाधिक अनुकूल प्रणाली लगती है। लेकिन हाल के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम और सियासत के बदलते चरित्र के मद्देनजर नए सिरे से यह बहस अनिवार्य लगने लगी है कि तेजी से भाग रही दुनिया में भारत के लिए क्या अपनी राजनीतिक संरचना में परिवर्तन आवश्यक हो गया है। वैसे तो पश्चिम और यूरोप के अनेक विकसित देशों में दो दलों की प्रधानता कामयाबी से चल रही है। वहां के साक्षर और समझदार समाज ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि आज के संपन्न संसार में अनेक वैचारिक धाराओं की वैसी जरूरत नहीं रही है, जैसी पचास साल पहले होती थी। आज व्यावहारिक तौर पर देखें तो समाजवाद की अवधारणा बासी पड़ चुकी है। जिस दौर में पूंजी का इतना बोलबाला हो, उसमें सभी वर्गों के लिए समानता की बात करना अव्यावहारिक सा लगता है। यही हाल वामपंथी विचारधारा का है। अधिकारों और अपने हक के लिए कितनी आबादी सड़कों पर आती है। अब तो मानव श्रम का शोषण रोकने के लिए और कार्यसंस्कृति के लिए बनाए गए कानून भी बेमानी से हो गए हैं। आज जम्हूरियत के नाम पर एक लचीली और व्यावहारिक दक्षिणपंथी धारा दिखाई देती है। इस प्रणाली में नीति निर्धारण के काम में सामूहिक नेतृत्व का कोई खास प्रभाव नहीं दिखाई देता। चाहे वह अमेरिका हो, ब्रिटेन हो या फिर रूस, चीन या कई अफ्रीकी मुल्क. कमोबेश सारे राष्ट्र एक ताकतवर चेहरे को पसंद करते दिखाई देते हैं। यही लोकतंत्र का आधुनिकतम संस्करण है, जिसमें अधिनायकवादी गंध भी आती है। मगर, वर्तमान उपभोक्तावादी समाज में उसे कोई बहुत आपत्तिजनक नहीं माना जा रहा है। यही कारण है कि सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण समाज को सिद्धांतों की अधिक चिंता नहीं है। भारतीय संदर्भ में भी यह बात समझी जा सकती है। यहां दो पार्टियां-भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ही अपना अस्तित्व राष्ट्रीय स्तर पर बचाकर रखे हुए हैं। उनका आकार घटता-बढ़ता रहता है। पर यह सच है कि वे छोटे दलों को अपनी सहूलियत के हिसाब से ही अवसर देती हैं। क्षेत्रीय दलों को देखें तो पाते हैं कि वे अपने आप में अभी तक संपूर्ण दल नहीं बन पाए हैं। अधिकतर प्रादेशिक पार्टियां एक ही राज्य में अपना वजूद बचाकर रखे हुए हैं। उनका आधार मुख्यतः जातिगत है. कोई भी क्षेत्रीय दल ऐसा नहीं है, जो समग्र समाज की नुमाइंदगी करता हो। बेशक उन्हें तमाम वर्गों के वोट मिलते हैं। लेकिन उनकी आंतरिक संरचना में जाति और परिवार ही प्रधान है। व्यापक नजरिये से देखें तो यह लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं है। अनुभव तो यही कहता है कि जब जाति और परिवार सरकार चलाने में महत्वपूर्ण होता है, तब समाज की विविध-सामुदायिक नुमाइंदगी की धारा सूखने लगती है। इसके अलावा उनका कोई वैचारिक आधार नहीं होने से वे अपने-अपने स्वार्थों के आधार पर सत्ताधारी राष्ट्रीय दल के साथ गठबंधन या समझौते करने लगती हैं। जब केंद्र में सत्ता बदलती है तो वे नए सिरे से अपने पारिवारिक, जातिवादी, आर्थिक और कारोबारी हितों को ध्यान में रखते हुए मोलभाव करती हैं। ऐसे माहौल में वैचारिक बुनियाद बनाए रखना बेहद कठिन हो जाता है।

# भाजपा की राह आसान करता गठबंधन

**कृष्णमोहन झा**

आगामी लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कड़ी चुनौती देने के इरादे से देश के दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने कुछ महीने पहले ही एकजुट होकर एक संयुक्त मोर्चा बनाया था जिसे उन्होंने इंडिया नाम दिया था। इंडिया गठबंधन के बैनर तले सभी विपक्षी दलों ने बड़ी बड़ी कसमें खाईं थी? कि अगले लोकसभा चुनावों में भाजपा को परास्त किये बिना चैन से नहीं बैठेंगे। गठबंधन की एकाधिक बैठकों से ऐसा प्रतीत होने लगा था कि सचमुच में यह गठबंधन अगले चुनावों में भाजपा को मुश्किल में डाल सकता है परन्तु धीरे-धीरे इस गठबंधन के प्रमुख घटक दलों के सर्वेसर्वा नेताओं ने मोदी सरकार पर निशाना साधने के बजाय एक दूसरे पर निशाना साधना शुरू कर दिया और यह भी साबित कर दिया कि गठबंधन के बैनर तले चुनाव लड़कर वे अपने राज्य में अपनी पहचान खोने के लिए कतई तैयार नहीं हो सकते। अब जबकि, आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तीन माह से कम समय शेष बचा है, इंडिया गठबंधन मानों अपना अस्तित्व ही खो चुका है।अब स्थिति यह है कि भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा देने का दिवा स्वप्न देखने वाले विपक्षी दलों ने ही भाजपा की राह पिछले लोकसभा चुनावों से भी ज्यादा आसान कर दी है और अब तो इन विपक्षी दलों को यह आशंका सताने लगी है कि इस बार वे पिछले चुनावों जैसा प्रदर्शन करने में भी सफल नहीं हो पाएंगे।

आश्चर्यजनक की बात तो यह है कि जिन नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एक जुट करने की पहल की थी वही इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ने में सबसे आगे रहे। यह भी क्या कम हास्यास्पद बात है कि नीतीश कुमार पहले इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता के रूप में भाजपा पर निशाना साध रहे थे और भाजपा की शरण में जाने के बाद इंडिया गठबंधन के घटक दल उनके निशाने पर आ गए हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने लोकसभा की 6 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर न केवल कांग्रेस बल्कि इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका दिया है जबकि कांग्रेस यह चाहती थी कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की आधी सीटें उसके लिए छोड़ दे । कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारुख अब्दुल्ला ने भी घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी जम्मू कश्मीर में आगामी लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। बात यहां तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह भी कह दिया है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी उन्हें बुलाएंगे तो वे उनसे मिलने दिल्ली जरूर जाएंगे।

जब फारुख अब्दुल्ला यह कहते हैं कि सभी तरह की संभावनाओं के द्वार खुले हैं तो उसका संकेत यही है कि वे नीतीश कुमार की राह पर चलने के लिए तैयार हैं। उधर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस को दंश देने के लिए वह दिन चुना जिसके एक दिन बाद ही राहुल गांधी की न्याय यात्रा असम से पश्चिम बंगाल की सीमा में प्रवेश करने वाली थी। उन्होंने भी पश्चिम बंगाल की सभी लोकसभा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा कर दी। ममता बनर्जी की यह घोषणा कांग्रेस के लिए यह बहुत बड़ा झटका थी। ममता बनर्जी की इस घोषणा ने कांग्रेस को हक्का बक्का कर दिया। ममता बनर्जी ने पार्टी के इस फैसले की वजह यह बताई कि कांग्रेस पार्टी ने पश्चिम बंगाल में राहुल गांधी की न्याय यात्रा का कार्य क्रम उनके साथ साझा नहीं किया जबकि इंडिया गठबंधन के सदस्य होने के नाते उनसे यह जानकारी साझा की जानी चाहिए थी। ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी को कांग्रेस से दूरी बनाने के लिए किसी बहाने की तलाश थी जो कांग्रेस ने ही उन्हें उपलब्ध करा दिया।

अरविंद केजरीवाल हों या ममता बनर्जी या फिर फारुख अब्दुल्ला, इन सभी नेताओं ने कांग्रेस को परोक्ष रूप से यही संदेश दिया है कि उनकी पार्टी का जिस राज्य में वर्चस्व है कि वहां कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग अपनी शर्तों पर ही करेंगे। इसी क्रम में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट घोषणा कर दी है कि आम आदमी पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य की सभी 13 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगी। उधर उत्तर प्रदेश में सबसे बड़े विपक्षी दल समाजवादी पार्टी भी राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से अधिकतम 17 सीटों पर कांग्रेस के साथ समझौता करने के लिए तैयार है। यही नहीं, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेठी में राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल न होने का फैसला किया है और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी? राहुल गांधी की न्याय यात्रा से दूरी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि लोकसभा चुनावों के लिए दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग पर कोई फैसला हुए बिना वह राहुल गांधी की न्याय यात्रा का हिस्सा नहीं बनेगी।

उल्लेखनीय के गत वर्षांत में मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनावों में भी कांग्रेस के उसकी सहमति नहीं बन पाई थी। दरअसल कांग्रेस पार्टी अधिकांश राज्यों में विपक्षी दलों को यह एहसास कराने में असफल रही है कि कांग्रेस के साथ चुनावी समझौता कर लेने पर ही आगामी लोकसभा चुनावों में उनकी जीत की संभावनाएं बलवती हो सकती हैं।इंडिया गठबंधन के घटक दलों द्वारा कांग्रेस से दूरी बनाने का एक बड़ा कारण गत वर्षांत में संपन्न देश के पांच राज्यों मध्य प्रदेश , छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की वह शोचनीय पराजय है जिसने उसके कार्यकर्ताओं ही नेताओं के मनोबल को भी तोड़ कर रख दिया है। अगर इन तीन राज्यों में उसे शानदार सफलता मिली होती तो इंडिया गठबंधन में उसका वर्चस्व कायम रह सकता था और आज उसके जो बड़े बड़े नेता भाजपा के द्वार खटखटा रहे हैं उनके मन में यह एहसास बना रहता कि कांग्रेस में ही उनका भविष्य सुरक्षित है।

अभी हाल में ही महाराष्ट्र के भूतपूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने का जो फैसला किया उसके पीछे भी यही कारण माना जा सकता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस धीरे धीरे हाशिए पर पहुंचती जा रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव ठाकरे की शिव सेना का भी कांग्रेस से मोहभंग हो चुका है। बिहार की बात करें तो वहां भी राष्ट्रीय जनता दल की शर्तों पर ही उसके साथ कांग्रेस की दोस्ती बनी रह सकती है। फिलहाल,कांग्रेस के लिए यह राहत की बात हो सकती है कि हाल में ही मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे नकुल नाथ के भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की जो चर्चाएं चल पड़ी थीं उन पर विराम लग गया है। इसके पीछे कारण चाहे जो रहे हों लेकिन इतना तो तय है कि अगर कमलनाथ वाकई भाजपा में शामिल हो जाते तो कांग्रेस के लिए मध्यप्रदेश में यह बड़ा झटका साबित होता क्योंकि सुनने में यह आ रहा था कि कमलनाथ के कांग्रेस छोड़ने के बाद कुछ कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता भी पार्टी छोड़ सकते थे। पंजाब के आनंद पुर साहिब सीट से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के भी कांग्रेस छोड़ने की अफवाह फैल चुकी है यद्यपि उनके कार्यालय ने इन अफवाहों का खंडन कर दिया है। गौरतलब है कि मनीष तिवारी भी अतीत में कांग्रेस पार्टी में पूर्ण कालिक अध्यक्ष के लिए चुनाव कराए जाने की मांग कर चुके हैं। कुल मिलाकर, लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के पूर्व ही कांग्रेस को रोजाना ही नयी नयी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का भी भाजपा के प्रति बढ़ता आकर्षण न केवल कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है बल्कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा की चमक को भी फीका कर रहा है।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# महोपनिषद् (भाग-13)

**गतांक से आगे...**

वह मात्र चैतन्य ही होता है; किन्तु चित्तविहीन एवं अनन्त भी होता है। वह जरारहित, शिवस्वरूप एवं आत्मकल्याण - प्रद होता है। उसका आदि, मध्य एवं अन्त भी नहीं होता। वह अनादि एवं दोषरहित होता है।

द्रष्टा, दृश्य एवं दर्शन की त्रिपुटी के मध्य में मात्र वह दर्शन स्वरूप ही कहा गया है। हे श्रीशुकदेव जी! इस सन्दर्भ में इसके अतिरिक्त अन्य कोई दूसरा निश्चय नहीं किया जा सकता। आपने इस तत्त्वज्ञान को स्वयमेव समझ लिया है और अपने पिता श्रीव्यास जी से भी श्रवण कर लिया है कि जीव अपनी संकल्प शक्ति से ही बन्धन में पड़ता है और संकल्प से ही मोक्ष को प्राप्त कर लेता है। अतः आपने स्वयं ही उस तत्त्वज्ञान को प्राप्त कर लिया है, जिसे जानने के पश्चात् इस नश्वर जगत् में साधुजनों को सभी दृश्यों से अथवा भोगों से विरक्ति पैदा हो जाती है। आपने पूर्ण चैतन्यावस्था में पहुँच कर सभी प्राप्त होने वाले पदार्थों को भी प्राप्त कर लिया है। आप तपः स्वरूप में स्थित हैं।

हे ब्रह्मन्! आप मुक्तावस्था को प्राप्त हो चुके हैं, अतः भ्रान्ति का परित्याग कर दें। हे शुकदेव जी! बाह्य एवं अति बाह्य, अन्तः में एवं उसके भी अन्तरंग को देखते हुए भी आप नहीं देखते हैं। आप सर्वदा पूर्ण कैवल्यावस्था में साक्षी भाव से विद्यमान हैं।

विदेहराज जनक के इस तत्त्वदर्शन को सुनने के पश्चात् श्रीशुकदेव शोक, भय एवं श्रमविहीन होकर, संशयरहित और कामनारहित होकर परमतत्त्वरूप आत्मा में स्थित होकर शान्त भाव से विश्राम को प्राप्त हुए। अखण्ड समाधि हेतु वे सुमेरु पर्वत की चोटी की ओर वापस चले गये। वहाँ सहस्रों वर्षों तक स्नेहरहित दीपक के सदृश उन शुकदेव मुनि ने अन्तर्मुखी होकर निर्विकल्प समाधि द्वारा परमशान्ति लाभ प्राप्त किया।

**क्रमशः ...**

# संत गाडगे महाराज

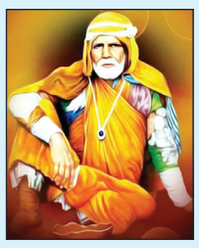

गाडगे बाबा का जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के शेणगांव अंजनगांव में हुआ था। उनका बचपन का नाम डेबूजी झिंगराजी जानोरकर था। उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनावाया किंतु अपने सारे जीवन में इस महापुरुष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी।

गुरुदेव आचार्य जी ने ठीक ही बताया है कि एक लकड़ी, फटी-पुरानी चादर और मिट्टी का एक बर्तन जो खाने-पीने और कीर्तन के समय ढपली का काम करता था, यही उनकी संपत्ति थी। इसी से उन्हें महाराष्ट्र के भिन्न-भिन्न भागों में कहीं मिट्टी के बर्तन वाले गाडगे बाबा व कहीं चीथड़े-गोदड़े वाले बाबा के नाम से पुकारा जाता था। उनका वास्तविक नाम आज तक किसी को ज्ञात नहीं है।

यद्यपि बाबा अनपढ़ थे, किंतु बड़े बुद्धिवादी थे। पिता की मौत हो जाने से उन्हें बचपन से अपने नाना के यहां रहना पड़ा था। वहां उन्हें गायें चराने और खेती का काम करना पड़ा था। सन 1905 से 1917 तक वे अज्ञातवास पर रहे। इसी बीच उन्होंने जीवन को बहुत नजदीक से देखा। अंधविश्वासों, बाह्य आडंबरों, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों एवं दुर्व्यसनों से समाज को कितनी भयंकर हानि हो सकती है, इसका उन्हें भलीभांति अनुभव हुआ। इसी कारण इनका उन्होंने घोर विरोध किया।

संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय था- लोक सेवा। दीन-दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते थे। धार्मिक आडंबरों का उन्होंने प्रखर विरोध किया। उनका विश्वास था कि ईश्वर न तो तीर्थस्थानों में है और न मंदिरों में व न मूर्तियों में। दरिद्र नारायण के रूप में ईश्वर मानव समाज में विद्यमान है। मनुष्य को चाहिए कि वह इस भगवान को पहचाने और उसकी तन-मन-धन से सेवा करें। भूखों को भोजन, प्यासे को पानी, नंगे को वस्त्र, अनपढ़ को शिक्षा, बेकार को काम, निराश को ढाढस और मूक जीवों को अभय प्रदान करना ही भगवान की सच्ची सेवा है।

संत गाडगे बाबा ने तीर्थस्थानों पर कई बड़ी-बड़ी धर्मशालाएं इसीलिए स्थापित की थीं ताकि गरीब यात्रियों को वहां मुफ्त में ठहरने का स्थान मिल सके। नासिक में बनी उनकी विशाल धर्मशाला में 500 यात्री एक साथ ठहर सकते हैं। वहां यात्रियों को सिगड़ी, बर्तन आदि भी निःशुल्क देने की व्यवस्था है। दरिद्र नारायण के लिए वे प्रतिवर्ष अनेक बड़े-बड़े अन्नक्षेत्र भी किया करते थे, जिनमें अंधे, लंगड़े तथा अन्य अपाहिजों को कम्बल, बर्तन आदि भी बांटे जाते थे। वे कहा करते थे कि तीर्थों में पंडे, पुजारी सब भ्रष्टाचारी रहते हैं। धर्म के नाम पर होने वाली पशुबलि के भी वे विरोधी थे। यही नहीं, नशाखोरी, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों तथा मजदूरों व किसानों के शोषण के भी वे प्रबल विरोधी थे। संत-महात्माओं के चरण छूने की प्रथा आज भी प्रचलित है, पर संत गाडगे इसके प्रबल विरोधी थे।

# चीन और समुद्री डकैतों की अब खैर नहीं

**नीरज कुमार दुबे**

मोदी सरकार ने तीनों सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आधुनिक सैन्य साजो सामान से लैस करने और नई-नई वैश्विक चुनौतियों से सबक लेते हुए रणनीतियां तैयार रखने की दिशा में काफी प्रयास किये हैं। आज दुश्मन कोई हरकत कर दे तो हमारी सेना उसको घर में घुसकर मारती है, दुश्मन कोई हरकत कर दे तो हमारे वायुसैनिक हजारों किलो के बम उस पर गिरा कर उसका समूल नाश कर देते हैं, यही नहीं हमारे लड़ाकू विमान यदि सीमा के आसपास थोड़ा टहल भी आयें तो उनकी गड़गड़ाहट से दुश्मन की आत्मा कांप जाती है। हमारी नौसेना भी समुद्र में सुरक्षा से लेकर समुद्री डाकुओं से मुकाबला करने तक के कार्यों को बखूबी अंजाम दे रही है। नौसेना की ताकत में और इजाफा करने के लिए मोदी सरकार तमाम कदम उठा रही है। देखा जाये तो वर्तमान में समुद्र में खतरा बढ़ता जा रहा है इसलिए मोदी सरकार ने भारतीय नौसेना की शक्ति में और इजाफा करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। नौसेना की शक्ति में इजाफे का मकसद सिर्फ समुद्री डकैतों से लड़ना नहीं बल्कि चीन द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का मुकाबला करना भी है।

हम आपको बता दें कि सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति ने नौसेना के युद्धपोतों पर तैनाती के लिए 200 से अधिक विस्तारित दूरी वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी है। बुधवार शाम को हुई बैठक में करीब 19,000 करोड़ रुपये की इस डील को मंजूरी दे दी गई। बताया जा रहा है कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस और रक्षा मंत्रालय के बीच मार्च के पहले सप्ताह में अनुबंध पर हस्ताक्षर किया जा सकता है। हम आपको बता दें कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत और रूस का संयुक्त उद्यम है जोकि सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करता है जिन्हें पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या भूमि पर स्थित प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

हम आपको बता दें कि ब्रह्मोस कॉर्पोरेशन द्वारा ब्रह्मोस मिसाइल का महत्वपूर्ण रूप से स्वदेशीकरण किया जा रहा है। इस मिसाइल को जल्द ही फिलीपींस को भी निर्यात करने की तैयारी है, जोकि इसका पहला वैश्विक ग्राहक है। इसके अलावा दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के कई देशों ने भी इस मिसाइल प्रणाली में गंभीर रुचि दिखानी शुरू कर दी है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

जहां तक समुद्री सुरक्षा को लेकर सरकार के आश्वासन की बात है तो आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत सभी मालवाहक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक जलक्षेत्र में निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है और वह क्षेत्र के सामूहिक कल्याण को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी खतरे का मुकाबला करने से पीछे नहीं हटेगा। विशाखापत्तनम में मिलन नौसैनिक अभ्यास के औपचारिक उद्घाटन समारोह में उनकी टिप्पणी यमन के हुती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में विभिन्न वाणिज्यिक जहाजों पर हमले किए जाने से बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच आई। राजनाथ सिंह ने कहा, हम ऐसे किसी भी खतरे का मुकाबला करने से पीछे नहीं हटेंगे जो हमारे सामूहिक कल्याण को नुकसान पहुंचाता हो, जिसमें समुद्री डकैती और तस्करी शामिल है।

हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने भी कहा था कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सुरक्षा को नुकसान नहीं पहुंचने देगी और अगर समुद्री डकैती का प्रयास किया गया तो वह ''बहुत कड़ा'' सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पोत तैनात हैं और तीन से चार पोत सोमालिया के पास हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा था कि भारतीय नौसेना संकट में फंसे भारतीयों और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए उत्तरी अरब सागर और लाल सागर में भी ड्रोन विरोधी अभियान चला रही है। उन्होंने कहा था कि भारतीय नौसेना समुद्री डकैती की कोई भी जानकारी मिलने पर कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा था कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती से निपटने के लिए मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ मिलकर काम करती है। उन्होंने कहा था कि अभी, हम बड़े पैमाने पर सूचना एक-दूसरे को आदान-प्रदान करने के माध्यम से प्राप्त करते हैं। हम हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे बड़ी 'रेजीडेंट' नौसेना शक्ति हैं और हम किसी को भी इस क्षेत्र में सुरक्षा एवं स्थिरता को बाधित नहीं करने देंगे। नौसेना प्रमुख ने कहा था कि हम कह चुके हैं कि समुद्री डकैती नहीं होगी और हम समुद्री डकैती करने की कोशिश करने वाले हर व्यक्ति को बहुत कड़ा सबक सिखाएंगे।

## आज का इतिहास

1886 लंदन टाइम्स ने विश्व का पहला वर्गीकृत विज्ञापन प्रकाशित करना शुरू किया।
1895 जाप ईडन ने 10 किमी का स्केटिंग का विश्व रिकॉर्ड बनाया।
1903 क्यूबा-अमेरिकी संधि को अंतिम रूप दिया गया था, जिससे यूनाइटेडस्टेट्स को गुआनामो बे को क्यूबा से पट्टे पर लेने के लिए उद्देश्यों के लिए संचालन और नौसैनिक स्टेशनों के संचालन की अनुमति मिली।
1904 .10 मिलियन के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका ने पनामा नहर क्षेत्र का नियंत्रण हासिल किया।
1905 रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना हुई।
1909 केप ब्रेटन द्वीप पर ब्रास डी ओर लेक की बर्फ से चांदी का डार्ट उड़ाया गया, जिससे यह कनाडा के ब्रिटिश साम्राज्य में पहली नियंत्रित संचालित उड़ान बन गई।
1927 जर्मन सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी वर्नर हाइजेनबर्ग ने साथी भौतिक विज्ञानी वोल्फगैंग पाउली को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने पहली बार अपने अनिश्चितता सिद्धांत का वर्णन किया था।
1940 रूसी सेनाओं ने यूनान के समीप स्थित लासी द्वीप पर कब्जा किया।
1941 प्लूटोनियम को पहली बार रसायनज्ञ ग्लेन टी। सीबॉर्ग और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में उनकी टीम द्वारा पहचाना गया था।
1944 चेचन्या में उग्रवाद के जवाब में, सोवियत संघ ने उत्तरी काकेशस के मूल चेचन और इंगुश आबादी के कजाखस्तान और किर्गिस्तान में जबरन निर्वासन शुरू किया।
1945 जापान द्वारा नियंत्रित टापू ईवो जीमा पर अमरीका ने अपना झंडा फहराया।
1947 दुनिया को मानक में पिरोने वाले अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन की स्थापना हुई।
1947 मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन, दुनिया भर में औद्योगिक और वाणिज्यिक मानकों के लिए जिम्मेदार है, की स्थापना की गई थी।
1952 कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम पारित किया गया।
1958 अर्जेंटीना के महान फार्मूला वन चालक खुआन मानुएल फांगियो का दो आदमियों ने अपहरण कर लिया।
1970 गयाना देश गणराज्य बना और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।
1981 स्पेन में राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई थी, जब दक्षिणपंथी सेना ने प्रशासन का तख्तापलट कर दिया था।
1987 बड़े मैगेलैनिक क्लाउड में सुपरनोवा एसएन 1987 ए से प्रकाश पृथ्वी पर पहुंचा।
1997 अली अबू कमाल एम्पायर स्टेट बिल्डिंग में आग लगाता है और 1 को मारता है।
1997 एनबीसी टीवी %शिंडलर्स लिस्ट% को दिखाता है, पूरी तरह से बिना सेंसर की हुई 65 मिलियन वॉच।
1998 हावर्ड स्टर्न रेडियो शो का प्रीमियर WAVF 96.1 स्नरूपर चार्ल्सटन साउथ कैरोलिना में हुआ।
2000 42 वें ग्रैमी अवार्ड्स, सैन्टाना, सारा मैक्लाक्लन और स्टिंग ने प्रमुख पुरस्कार जीते।
2003 कनाडा के डेविसन ने विश्वकप का सबसे तेज़ शतक लगाकर 1983 में बनाये गये कपिलदेव का रिकार्ड तोड़ा।
2003 45 वें ग्रैमी पुरस्कार, नोरा जोन्स और जॉन मेयर ने प्रमुख पुरस्कार जीते।
2007 पाकिस्तान ने शाहीन-2 का परीक्षण किया।

# पंजाब को बचाना है तो धान पर एमएसपी का लालच छोड़ना ही पड़ेगा

**संजय तिवारी**

किसान आंदोलन-2 के शुरुआती चरण में ही पंजाब के किसान आंदोलनकारियों के सामने एक स्वर्णिम अवसर आया लेकिन विरोध प्रदर्शन के राजनीतिक उत्साह में उन्होंने उसे ठुकरा दिया है। केन्द्र सरकार और किसान आंदोलनकारियों के बीच बातचीत में केन्द्र सरकार ने उन्हें धान के स्थान पर अन्य असाढी फसलों पर एमएसपी देने का प्रस्ताव किया लेकिन आंदोलन के जुनून में किसान आंदोलनकारियों ने उसे ठुकरा दिया। यह एक ऐसा स्वर्णिम अवसर था जिसको ठुकराने का सीधा नुकसान पंजाब और पंजाब की खेती किसानी को होगा।

पंजाब में चावल की खेती का कोई औचित्य नहीं है। न तो पंजाब के लोग चावल खाते हैं और न ही वहां कभी चावल की खेती का इतिहास रहा है। पंजाब में परंपरागत रूप से ज्वार, बाजरा, मक्का और दलहन तथा बाद में गेहूं की पैदावार ही होती थी। पंजाब में धान की खेती शुरु हुई हरित क्रांति के बाद जब वहां के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना शुरु हुआ। लेकिन पंजाब में धान की यह खेती पंजाब की धरती को ही बहुत भारी पड़ी है। धान ने पंजाब के किसान की खेती का पैटर्न किस तरह से बदला है उसे एक आंकड़े से समझ सकते हैं कि 1970 में 6.9 प्रतिशत जमीन पर धान की खेती होती थी लेकिन 2005 में यह आंकड़ा 33.8 फीसदी पहुंच गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पंजाब की परंपरागत फसलों के लिए खेती का रकबा घट गया।

पंजाब में धान की खेती का बढता चलन ऐसा वक्त था जिसने लागत को लगातार बढा दिया। लेकिन क्योंकि धान और गेंहू की खेती किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देती है इसलिए उनकी लागत की भरपाई हो जाती है। इसलिए कल तक जब उनसे यह कहा जाता था कि आप पंजाब की परंपरागत खेती को अपनाइये तो किसान

लागत का रोना रोते थे। उन्हें पता था कि अगर गेहूं और धान के अतिरिक्त उन्होंने कुछ और पैदा किया तो उसे सरकार खरीदेगी नहीं। इसलिए किसानों को ऐसी फसलों की तरफ मोड़ने का तर्क जिन पर कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं है पंजाब के किसानों को समझ नहीं आता था। लेकिन अब जबकि केन्द्र सरकार की ओर से खुद यह प्रस्ताव दिया जा रहा है कि पंजाब के किसान अपनी परंपरागत खेती की ओर लौटें। सरकार एमएसपी पर उन फसलों को खरीदने के लिए तैयार है जो अभी एमएसपी के बाहर थीं तब भी किसान आंदोलनकारियों ने उसे ठुकराकर पंजाब के लिए एक स्वर्णिम अवसर गवा दिया है।

पंजाब में धान की खेती ने न केवल भूजल का गंभीर संकट पैदा किया है बल्कि कीटनाशकों के बेतहाशा इस्तेमाल और धान की पराली जलाने की समस्या ने गंभीर पर्यावरणीय संकट भी पैदा किया है। पंजाब में कैंसर एक महामारी के रूप में फैला तो इसका सबसे बड़ा कारण एमएसपी के लालच में फसलों पर बेतहाशा कीटनाशकों और केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल ही था। पंजाब में एक आम चलन है कि पंजाब के किसान जो पैदा करते हैं उसे नहीं खाते। वो अपने खाने का गेहूं चावल मध्य प्रदेश और बंगाल से मंगाते हैं। जबकि जो गेहूं और चावल वो पैदा करते हैं उसे एमएसपी पर सरकार को बेच देते हैं।

ऐसा करने के पीछे कोई त्याग तपस्या या परोपकार की भावना नहीं है। ऐसा करना उनकी मजबूरी है क्योंकि वो जानते हैं कि गेहूं धान की पैदावार में अत्यधिक उत्पादन की लालच में उन्होंने जितना केमिकल फर्टिलाइजर और कीटनाशक इस्तेमाल किया है उसके बाद वह अनाज खाने लायक ही नहीं बचा है। 2021-22 की रिपोर्ट है कि अकेले पंजाब में 39 लाख मिट्रिक टन फर्टिलाइजर का प्रयोग किया गया। देश में सर्वाधिक 103 लाख मिट्रिक टन केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल यूपी में हुआ लेकिन कृषि जोत के मामले में यूपी पंजाब से साढे चार गुना बड़ा है।

भारत में कुल 183 मिलियन हेक्टेयर खेती योग्य जमीन है जिसमें सर्वाधिक खेती योग्य जमीन राजस्थान में है 20.87 मिलियन हेक्टेयर। इसके बाद महाराष्ट्र 20.5, उत्तर प्रदेश 17.5, मध्य प्रदेश 15.67 और कर्नाटक 11.81 मिलियन हेक्टेयर जमीन के साथ दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। 4.2 मिलियन हेक्टेयर खेतीयोग्य जमीन के साथ पंजाब इस लिस्ट में बहुत नीचे है लेकिन उसकी केमिकल फर्टिलाइजर और कीटनाशकों की खपत खेती के अनुपात में सर्वाधिक है।

जहां तक कृषि उपज का सवाल है तो उसमें पंजाब अपनी अत्यधिक केमिकल फर्टिलाइजर युक्त खेती के कारण ही कम जोत के बावजूद तीसरे नबंर है। पंजाब के मुकाबले बहुत कम केमिकल फर्टिलाइजर इस्तेमाल करनेवाला पश्चिम बंगाल सबसे बड़ा कृषि उत्पादन वाला प्रदेश है। उसके बाद उत्तर प्रदेश है और फिर पंजाब का नंबर आता है। औद्योगिक राज्य में पहचान बनानेवाला गुजरात कृषि उत्पादन में चौथे नंबर पर है। पांचवे नंबर पर हरियाणा है। इस तरह यह मिथक भी अनावश्यक है कि पंजाब पूरे देश को गेहूं चावल खिलाता है। असल में इस मिथक के पीछे भी उसी एमएसपी लॉबी की अफवाह है जो यह भ्रम बनाकर रखना चाहते हैं ताकि पंजाब में धान और गेहूं पर मिलनेवाली एमएसपी मिलती रहे।

लेकिन एमएसपी के इस लालच ने पंजाब को ही सबसे अधिक तबाह किया है। पंजाब में भूजल स्तर इतना अधिक गिर चुका था कि 2008 में कानून बनाकर अप्रैल मई में होनेवाली धान की खेती पर रोक लगानी पड़ी। एमएसपी के लालच में पंजाब के किसानों ने अप्रैल मई के महीने में धान की रोपाई शुरु कर दी थी। इस कारण वो एक सीजन में धान की दो फसल लेने लगे थे। लेकिन इसका दुष्परिणाम ये हुआ कि पंजाब का भूजल संग्रह 2009 में ही 20.35 अरब घनमीटर पहुंच गया था। पंजाब किसान आयोग के अनुसार यह भूजल स्तर कम से कम 34.66 लाख घनमीटर होना चाहिए।

लेकिन पंजाब में एमएसपी के लालच में धान की खेती के कारण न केवल भूजल गिरा है बल्कि जलवायु परिवर्तन की मार का असर भी पंजाब पर होने लगा है। अत्यधिक भूजल दोहन के कारण पंजाब में सूखे का संकट बढ सकता है। पंजाब के औसत तापमान में 2030 तक भी 0.5 से 1 डिग्री सेल्यियस की बढत दर्ज होने का अनुमान है। ऐसा होने पर स्वाभाविक रूप से पंजाब की खेती पर विपरीत असर पड़ेगा और वहां गेहूं चावल की पैदावार में 8 से 10 प्रतिशत की कमी आ जाएगी।

ऐसे में आज नहीं तो कल, इच्छा से या अनिच्छा से पंजाब के किसानों को धान की खेती छोड़नी ही पड़ेगी। यह न केवल पंजाब की खेती किसानी के लिए जरूरी होगा बल्कि प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी होगा। पंजाब में धान की खेती खत्म होने से न केवल पंजाब में खेती की लागत में भारी गिरावट आयेगी बल्कि ज्वार बाजरा और दलहन की पैदावार पर एमएसपी मिलने से उनकी आमदनी भी बनी रहेगी। जिस सीजन में वो धान रोपते हैं उस सीजन में उन्होंने ज्वार बाजरा बोना शुरु किया तो न केवल पंजाब की धरती सुरक्षित होगी बल्कि दिल्ली जैसे शहरों में पराली के कारण होनेवाली प्रदूषण की समस्या भी दूर होगी।

इन परिस्थितियों में ज्वार बाजरा और दलहन पर एमएसपी की गारंटी पंजाब के किसानों के लिए एक स्वर्णिम अवसर था जिसे उनके किसान नेताओं ने फिलहाल गंवा दिया है। लेकिन देर सबेर यही विकल्प पंजाब को और वहां के किसानों को बचायेगा, इसमें भी कोई दो राय नहीं। अच्छा होता राजनीति छोड़कर किसान नेता इस स्वर्णिम अवसर को लपक लेते और जीत का जश्न मनाते हुए वापस लौट जाते।

# आंदोलन पर उतारू किसानों ने की है इस बार भरपूर तैयारी

**नीरज कुमार दुबे**

किसानों के दिल्ली चलो मार्च के चलते भारी सुरक्षा बंदोबस्त किये गये हैं। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए और किसानों ने पुलिस के अवरोधकों को तोड़ने के लिए जिस तरह की तैयारियां कर रखी हैं उसके चलते फिलहाल यह तय कर पाना मुश्किल लग रहा है कि किसने ज्यादा अच्छे बंदोबस्त कर रखे हैं। किसान इस बार जिस तरह आंसू गैस के गोलों के प्रभाव से बचाने वाले मास्क, पोकलेन, जेसीबी मशीनों और एम्बुलेंसों से सुसज्जित भीड़ लेकर दिल्ली में घुसने को आतुर नजर आ रहे हैं वह ऐसा दृश्य पैदा कर रहा है जैसे कोई युद्ध छेड़ा जाने वाला है। सरकार बार-बार अपील कर रही है बातचीत से मसला सुलझा लो, सरकार बार-बार वर्तमान आर्थिक परिदृश्यों में सबसे बेहतर प्रस्ताव दे रही है लेकिन किसान मानने को तैयार नहीं हैं। रिपोर्टें तो इस तरह की भी हैं कि चौथे दौर की वार्ता में सरकार ने किसानों के समक्ष जो प्रस्ताव रखा था उसे बातचीत में शामिल लोग मानने के लिए तैयार थे लेकिन उन पर शायद कुछ बाहरी दबाव थे जिसके चलते उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा कर दिल्ली कूच की तैयारी कर दी। यह दिल्ली कूच पूरे एनसीआर के लिए कितना भारी पड़ रहा है शायद इस बात का अंदाजा आंदोलन पर उतारू लोगों को नहीं है। बताया जा रहा है कि कुछ जगहों पर इंटरनेट पर पाबंदियां लगाई गयी हैं सोचिये आज के इस डिजिटल इंडिया में यदि इंटरनेट पर पाबंदी लग जाये तो कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इस समय सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं भी चल रही हैं। इंटरनेट पर पाबंदी लगने से बच्चों को पढ़ाई में तो दिक्कतें होंगी ही साथ ही ट्रैफिक जाम के चलते परीक्षा केंद्र पर समय से नहीं पहुँचने का भय भी है। रिपोर्टें तो इस तरह की भी हैं कि तमाम अभिभावकों ने अपने बच्चों को परीक्षा केंद्र के निकट रहने वाले किसी रिश्तेदार, मित्र या परिचित के यहां शिफ्ट कर दिया है ताकि उसे कोई दिक्कत नहीं हो। देखा जाये तो अपने जीवन की पहली बड़ी परीक्षा देने जा रहा 10वीं कक्षा का छात्र पूरी तैयारी होने के बावजूद कुछ घबराया-सा होता है उस पर यदि उसके मन में यह भय रहे कि पता नहीं वह समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुँच पायेगा या नहीं तो सोचिये उसके मन पर क्या असर पड़ता होगा? बात सिर्फ परीक्षार्थियों की ही नहीं है। आपको जहां-तहां ट्रैफिक जाम में एंबुलेंसों के फंसे होने के दृश्य दिख जायेंगे। आपको जहां-तहां ट्रैफिक जाम में फंसे लोग फोटो लेकर अपने ऑफिस में भेजते दिख जाएंगे। सवाल उठता है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रहने वाली आम जनता की क्या गलती है? हो सकता है किसानों की सभी मांगें पूरी हो जायें और वह नाचते गाते अपने घरों को चले जाएं लेकिन इस क्षेत्र के आम आदमी के समय और संसाधन का जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई कौन करेगा? सवाल यह भी है कि प्रतिबंधों के चलते जिन लोगों का व्यापार या आजीविका प्रभावित हो रही है या बंद हो गयी है उसकी भरपाई कौन करेगा?

# बिहार में महिला वोटर नीतीश के साथ रहेंगी या छिटकेंगी?

**बिक्रम उपाध्याय**

जैसे जैसे लोक सभा का चुनाव पास आता जा रहा है, वैसे वैसे राजनीतिक समीकरणों और एजंडों पर मंथन भी भी तेजी पकड़ रहा है। बिहार में नीतीश के एनडीए में आने के बाद बीजेपी के लिए नफे और नुकसान की भी चर्चा हो रही है। कई लोगों का मानना है कि अब नीतीश बाबू की वह वोट अपील नहीं रही जो पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान थी। पर बहुत लोगों का यह भी आकलन है कि नीतीश के पास अपनी जाति के 5 प्रतिशत वोट और महिलाओं के 50 प्रतिशत से अधिक वोट आज भी हैं और किसी भी चुनाव के परिणाम में इतने वोट काफी असर डाल सकते हैं।

2019 के लोक सभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि महिला मतदाताओं ने एनडीए का भरपूर साथ दिया था। बिहार की 40 लोक सभा सीटों में से 39 पर एनडीए के उम्मीदवार जीत गए थे, हालांकि उस जीत में प्रधानमंत्री मोदी की भी लोकप्रियता का हाथ था पर बिहार जैसे राज्य में जहां चुनाव मुख्य रूप से जातिगत आधार पर लड़े और जीते जाते हैं, वहाँ सामाजिक बदलाव का चुनाव पर बड़ा असर पड़े, यह बड़ी बात है। इस नए बदलाव की वाहक बिहार की महिलाएं थी, जिन्होंने नीतीश कुमार की शराबबंदी और लड़कियों की शिक्षा पर रीझ कर एनडीए के पक्ष में जमकर वोट किया था। 2020 के विधानसभा चुनाव के

आंकड़ों को भी देखें तो 59.7 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। यानि महिलाओं में चुनाव को लेकर उत्साह ज्यादा था। कभी बिहार में महिला मतदान का प्रतिशत 40 और पुरुष मतदान का हिस्सा 60 प्रतिशत होता था। नीतीश को इसके लिए श्रेय दिया जाना चाहिए। 2005 से नीतीश कुमार लगातार सरकारों का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी, तो उसमें उनकी विकासात्मक नीतियों के साथ साथ महिलाओं के लिए शुरू किए गए विशेष कार्यक्रम के भी परिणाम कारण बने। नीतीश ने गांव और पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और निर्णय में उनकी भूमिका सुनिश्चित की।

लगभग दो दशकों के उनके शासन काल में बिहार में महिलाओं को आजीविका से जोडने वाली कई परियोजनाएं चलाई गईं। महिला जीविका कार्यक्रम, साइकिल योजना और महिलाओं के लिए पंचायत में 50 प्रतिशत आरक्षण ने नीतीश को एक सुधारवादी नेता के रूप में स्थापित किया। बिहार के लगभग 45,000 गांवों में आजीविका को बढ़ावा देने के लिए महिला-आधारित सामुदायिक संगठनों का एक जाल बन गया है। मुख्यमंत्री साइकल योजना से लड़कियों के स्कूल नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुछ सालों में ही माध्यमिक विद्यालयों में लिंग अनुपात का अंतर कम हो गया। छात्राओं ने सरकार से प्राप्त साइकिल का उपयोग माध्यमिक विद्यालय तक पढ़ाई जारी रखने में किया। लड़कियां चारदीवारी से निकल कर अपने लिए एक मुकाम हासिल करने में सक्षम होने लगीं। उनका आर्थिक सशक्तिकरण हुआ। वे सामाजिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में भाग लेने लगीं।

इसलिए चुनावी प्रक्रिया में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी नीतीश कुमार की राजनीतिक और विकासात्मक पहल का ही परिणाम माना जाता है। बिहार में महिलाओं के बीच राजनीतिक आकांक्षा भी बढ़ी है और लगभग सभी राजनीतिक दलों ने संसदीय और विधान सभा चुनावों में महिलाओं को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व भी दिया है। हालांकि जीत कर आने वाली महिला प्रतिनिधियों की संख्या अब भी बहुत कम है। 40 सांसदों में केवल 3 महिला सांसद हैं और उसी तरह 243 विधायकों मे से केवल 28 महिला विधायक हैं। इंडिया टुडे टीवी ने 2019 में एक जनमत सर्वेक्षण कराया था, जिसमें यह दर्शाया गया कि महिलाएं ही थीं जो बिहार में एनडीए को बचाए रखना चाहती थीं, इसलिए नीतीश के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को 41 प्रतिशत महिला वोट पड़े जबकि राजद के नेतृत्व वाले ग्रैंड अलायंस को 31 प्रतिशत महिलाओं के वोट मिले। महिलाओं ने एनडीए को बेहतर कानून और व्यवस्था के साथ साथ शराब बंदी के प्रति नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता के लिए भी वोट किया। इस बीच बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण और सरकारी नौकरियों का श्रेय लेने की लड़ाई जनता दल यूनाइटेड यानि जेडी यू और राजद के बीच चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही फिर से एनडीए के साथ आ गए हैं, लेकिन उनका परंपरागत वोटर भी साथ आ गया है, इस पर अलग अलग आकलन है। लोकसभा चुनाव से पहले नौकरी बांटने का मुद्दा इस लोक सभा चुनाव में जरूर उठेगा। तेजस्वी ने ही उप मुख्यमंत्री बनने के बाद 10 लाख नौकरियां देने का नारा उछाला था और अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए 1.22 लाख शिक्षकों में से 25,000 को 2 नवंबर को ऐतिहासिक गांधी मैदान में बुलाकर नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया था और शेष 97,000 शिक्षकों को उसी दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र दिया गया था। अब इन दोनों मुद्दों के आधार पर राजद नीतीश के महिला वोट बैंक में सेंध लगाने का दावा कर रहा है। अब यह देखना है कि नीतीश की समर्थक महिलाएं अपना समर्थन बनाए रखती हैं अथवा नहीं।

# कमलनाथ-भाजपा के कयासी गठबंधन का लाभ-हानि

**सिद्धार्थ शंकर गौतम**

इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा हाथ का साथ छोड़कर कमलदल में नहीं जाएगा। तमाम अफवाहों और अटकलों के बीच उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा में जाने का संकेत दिया है लेकिन उनके नाम पर जो सियासी प्रहसन हुआ क्या वह अनायास था? मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कमलनाथ के खास समर्थक पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने मीडिया से बात करके यह स्पष्ट कर दिया है कि कमलनाथ कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। हालांकि स्पष्टता कमलनाथ की ओर से आती तो अच्छा होता क्योंकि 20 फरवरी को प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह के भोपाल दौरे के जो होर्डिंग शहर में लगे हैं उनमें से कमलनाथ गायब हैं जो अभी भी पूरे राजनीतिक घटनाक्रम को संदेहास्पद बनाते हैं।

कमलनाथ अपनी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से नाराज हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार की जिम्मेदारी उनके ऊपर मढ़ दी गई जिसके बाद उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को चुनावी खर्चे का लंबा-चौड़ा परचा भेज दिया। इसके अलावा जब वे विदेश में थे तो उनकी सहमति के बिना ही राहुल गांधी समर्थक जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया। वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी नहीं बनाए गए। यहां तक कि ग्वालियर सीट से लगातार चार बार लोकसभा चुनाव हार चुके दिग्विजय सिंह के कट्टर समर्थक डॉ. अशोक सिंह को राज्यसभा की एकलौती सीट का टिकट मिलना भी कमलनाथ को गवारा नहीं हो रहा।

वहीं नकुल नाथ ने एलान कर दिया है कि छिंदवाड़ा से वो ही चुनाव लड़ेंगे। हालांकि किस पार्टी से लड़ेंगे, यह उन्होंने नहीं कहा जिसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि कमलनाथ अपने समर्थक कुनबे के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। ऊपर से उनके कुछ खास समर्थकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बगावती बयानों की झड़ी लगाते हुए इस पूरे प्रकरण को जटिल बना दिया। मध्य प्रदेश भाजपा संगठन कमलनाथ और उनके समर्थकों को अपनाने को तैयार नहीं है किंतु वह खुलकर कुछ कहने से बच रहा है और उसकी नजर दिल्ली की ओर है। सीधा-सपाट बोलने से तो कमलनाथ भी बच रहे हैं क्योंकि उनकी भाजपा में

आमद इतनी आसान नहीं है। तो क्या कमलनाथ मीडिया के बनाए माहौल से कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर कोई दबाव बना रहे हैं या वास्तव में उनकी भाजपा में आमद को लेकर चल रही प्रतिक्रियाओं को मीडिया के माध्यम से समझने का प्रयास हो रहा है? यह भी संभव है कि यह पूरा प्रपंच कमलनाथ की ओर से रचा गया हो जिसमें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की मूक सहमति हो। कमलनाथ-भाजपा का कयासी गठबंधन लाभ-हानि की कसौटी पर तोला जा रहा है। इस बीच इंदौर, देवास और उज्जैन के कई कांग्रेसी नेताओं ने कमलनाथ गुट के कांग्रेसी नेताओं के पुतले तक बनवाकर रख लिए हैं कि वे भाजपा में शामिल हों और पुतले जलाकर उनका विरोध किया जा सके। हालांकि वे अब तक मायूस हैं क्योंकि भोपाल से दिल्ली तक कुछ भी स्पष्टता से नहीं कहा जा रहा। कानपुर में जन्में कमलनाथ की दून स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई संजय गांधी से दोस्ती इतनी प्रगाढ़ होती गई कि 1980 के लोकसभा चुनाव के दौरान छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ रहे कमलनाथ के चुनाव प्रचार में आईं इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना तीसरा बेटा कह दिया। वे चुनाव जीत गए और 1985, 1989, 1991, 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व किया।

हालांकि हवाला कांड में नाम आने के कारण 1996 में उनकी पत्नी अलका नाथ ने छिंदवाड़ा से चुनाव जीता किंतु लुटियंस में बड़े बंगले की चाह ने कमलनाथ से वो करवा दिया जिसकी अपेक्षा किसी को नहीं थी। उन्होंने अपनी पत्नी से संसद सदस्यता से त्यागपत्र दिलवाया और 1997 उपचुनाव में स्वयं चुनाव लड़ने खड़े हुए किंतु इस बार भाजपा ने भी दिग्गज नेता सुंदरलाल पटवा को कमलनाथ के सामने खड़ा किया और अप्रत्याशित रूप से कमलनाथ की हार हुई। एक वर्ष बाद हुए लोकसभा चुनाव में कमलनाथ पुन: विजयी हुए किंतु उनकी 50 वर्षों से अधिक की राजनीतिक यात्रा में 1997 की हार काला धब्बा है जिसका उन्हें हमेशा मलाल रहता है। अपने कुशल नेतृत्व, संगठन कौशल एवं लोकप्रियता के दम पर कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को कांग्रेस का अजेय दुर्ग बना दिया है।

2019 में प्रचंड मोदी लहर के बाद भी उनके पुत्र नकुल नाथ चुनाव जीते। वर्तमान में छिंदवाड़ा लोकसभा के अंतर्गत आने वाली सातों विधानसभा सीटों पर भी उनके समर्थक कांग्रेसी विधायक हैं और भाजपा हमेशा की भांति खाली हाथ है। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने छिंदवाड़ा को लेकर जो आक्रामक चुनावी रणनीति बनाई है, उससे नाथ परिवार सहमा जरूर है। कमलनाथ भाजपा में शामिल होंगे या नहीं यह संशय बरकरार है किंतु यहां सबसे बड़ा प्रश्न है कि क्या वास्तव में कमलनाथ को भाजपा की और भाजपा को कमलनाथ की आवश्यकता है। वह भी ऐसे दौर में जबकि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की लहर पर सवार होकर %अबकी बार 400 पार% के नारे लगा रहे हैं और मध्य प्रदेश विधानसभा में भी भाजपा को प्रचंड बहुमत प्राप्त है। हालांकि कमलनाथ के भाजपा प्रवेश के आड़े वे नेता भी हैं जिनका व्यवसायिक एवं राजनीतिक हित उनके कांग्रेस में रहने से सधता है। 1984 के सिख विरोधी दंगे में कमलनाथ की भूमिका संदिग्ध है और मात्र छिंदवाड़ा सीट कब्जाने के लिए पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने वाले सिख समुदाय को भाजपा शायद ही नाराज करे। हां, यदि कमलनाथ सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लें और बेटे नकुल नाथ सहित उनके समर्थक भाजपा में शामिल हों तो इसका सिख समुदाय पर संभवत: बड़ा नकारात्मक असर न हो। कमलनाथ को किसी राज्य का राज्यपाल बनाकर सम्मानजनक राजनीतिक विदाई की सौगात दी जा सकती है। वहीं भाजपाई होकर कमलनाथ अपने भांजे रतुल पुरी के ऊपर चल रही ईडी-सीबीआई की जांच की धार को कुंद करने का प्रयास करना चाहते होंगे।

# अपनी राजनीति के लिए अब जनाधार कहां से जुटाएंगे स्वामी प्रसाद मौर्य?

**अनिल सिंह**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रहे स्वामी प्रसाद मौर्य अब सपा में नहीं रहे। वह नाराज हैं। पिछले आठ सालों में वह तीसरी बार नाराज हुए हैं। मौर्य अब किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने की बजाय नई पार्टी के साथ सियासत करेंगे। वह राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी की बागडोर अपने हाथ में ले सकते हैं। सोमवार को इस पार्टी का नीला, लाल और हरा रंग का झंडा लांच कर मौर्य ने इसके संकेत भी दे दिये हैं। दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 फरवरी को कार्यकर्ताओं की मीटिंग बुलाई है। माना जा रहा है कि इसी मीटिंग में इस नई पार्टी के जरिये मौर्य अपने भविष्य की सियासत का ऐलान करेंगे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब स्वामी प्रसाद मौर्य के सामने विकल्प भी सीमित हो चुके हैं। ऐसा लग नहीं रहा है कि समाजवादी पार्टी या अखिलेश यादव उन्हें बहुत जतन के साथ मनाने की कोशिश करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि समाजवादी पार्टी की सियासत भले ही जातिवादी रही हो, लेकिन मुलायम सिंह यादव ने किसी अन्य जाति का विरोध कभी नहीं किया। समाजवादी पार्टी में सभी जाति एवं धर्म के नेताओं का स्वागत किया गया। इसी के चलते समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में कई बार सरकार बनाने में सफलता मिली। अखिलेश यादव भी भले पिछड़े एवं दलित की सियासत करते रहे हों, लेकिन उन्होंने खुलकर कभी अगड़ों का विरोध नहीं किया। मजबूरी ही सही, उन्होंने भी मुलायम की तरह समावेशी राजनीति की। समाजवादी पार्टी के इस एजेंडे के ठीक विपरीत, बहुजन समाज पार्टी की जातिवादी एवं सवर्ण विरोधी आंच पर पक कर निकले स्वामी प्रसाद मौर्य की पूरी सियासत ही सवर्ण विरोध पर टिकी रही है। विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य को पद और सम्मान दोनों दिया। विधान परिषद में भी भेजा। भारतीय जनता पार्टी में पांच साल तक हिंदू देवी-देवताओं पर अपना मुंह बंद रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी में आते ही अपना पुराना राग छेड़ दिया। रामचरितमानस से लेकर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने लगे। मौर्य के बयानों से पूरी समाजवादी पार्टी असहज होने लगी। भारतीय जनता पार्टी भी स्वामी प्रसाद के बयान को भुनाते हुए समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी साबित करने में जुट गई। समाजवादी पार्टी को नुकसान से बचाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने भी स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों को निजी बयान बता डाला। इसी से भड़के स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दिया, अब अनजान सी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से अपनी नई सियासी पारी शुरू करने की तैयारी कर ली है। दरअसल, अब स्वामी प्रसाद मौर्य के विकल्प बेहद सीमित रह गये हैं। उन्हें समझ आ चुका है कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी में उनकी वापसी मुश्किल है, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस अभी उस स्थिति में नहीं हैं कि सत्ता हासिल कर सकें। बहुजन समाज पार्टी में लौटने के रास्ते उनके लिये बंद हैं। मौर्य के पास यही विकल्प है कि वह किसी नई पार्टी से अपने भविष्य की सियासत करें और सत्ता में भागीदारी मांगें। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी उनकी वर्तमान राजनीति के मुफीद हो सकती है, लेकिन वह कोई बड़ी लाइन खींच पायेंगे, इसमें संदेह है। नरेंद्र मोदी के उदय के बाद जातिवादी राजनीति का दौर लगभग खत्म हो चुका है। ऐसे में स्वामी प्रसाद मौर्य की पिछड़े और दलित वर्ग की आक्रामक राजनीति कितनी प्रभावी होगी, यह तो समय बतायेगा, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि स्वामी जनाधार कहां से लायेंगे स्वामी की सियासत को देखें तो वह ऐसे नेता नहीं हैं, जिनके पास बहुत बड़ा जनाधार हो।

# फ्लाईबोर्डिंग का लेना है मजा, तो भारत में इन जगहों को करें एक्सप्लोर

फ्लाईबोर्डिंग करने में काफी मजा आता है इसके लिए आपको विदेश जाने की जरुरत नहीं, भारत में ऐसी कई जगहें जहां फ्लाईबोर्डिंग मजा ले सकते हैं। आप इंडिया में इस वाटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते है।फ्लाईबोर्डिंग कतर से लेकर थाईलैंड तक काफी फेमस है। आइए आपको बताते है कि भारत के किन जगहों पर आप फ्लाईबोर्डिंग कर सकते है। वाटर स्पोर्ट्स के मजे लेना हर किसी को बेहद पसंद होता है, पानी पर मस्ती करने का मजा अलग ही होता है। छुट्टियों में जब घूमने जाते हैं तो बोटिंग से लेकर स्कूबा डाइविंग, जेट स्कीइंग, रिवर राफ्टिंग जैसे कई वाटर के स्पोर्ट्स को काफी एन्जॉय करते है। काफी समय से फ्लाईबोर्डिंग को बहुत पसंद किया जा रहा है। बता दें कि, फ्लाईबोर्डिंग कतर से लेकर थाईलैंड तक काफी फेमस है। हालांकि अब भारत में भी इस वाटर स्पोर्ट्स के मजा लेने लगे हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इन जगहों के बारे में-

### बागा बीच

भारत मे फ्लाईबोर्डिंग का मजा लेने केलिए आपको गोवा में जाना होगा। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग के लिए टूरिस्ट का पसंदीदा प्लेस है। अगर आपको एडवेंचर्स एक्टिविटीज करना काफी पसंद है तो आपको बागा बीच जरुर जाना चाहिए। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग सेशन उपलब्ध हैं, यहां पर खूबसूरत बीचेस के नजारा देखने को मिलता है। फ्लाईबोर्डिंग से लहरों के ऊपर चढ़ने का अलग ही मजा है।

### अंजुना बीच

बागा बीच के अलवा अंजुना बीच पर भी फ्लाईबोर्डिंग का मजा लें सकते है। यह बीच बोहेमियन वातावरण के लिए काफी फेमस है। अंजुना का आरामदायक माहौल और फ्लाईबोर्डिंग की एड्रेनालाईन की भीड आपके हॉलिडे को बेहद ही खास बना देगा।

### कैलंगुट बीच

कैलंगुट बीच के गोवा में समुद्र तटों की रानी कहा जाता है। यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए सबसे खास है। जब आप यहां पर फ्लाईबोर्डिंग के रोमांच को महसूस कर ही सकते हैं। इसके साथ ही कैलंगुट बीच की प्राकृतिक सुंदरता का नजारा भी आपका मन मोह लेगा।

### डोना पाउला

यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए परफेक्ट है, गोवा की राजधानी पणजी से केवल 7 किलोमीटर दूर डोना पाउला उत्तरी गोवा के सबसे आकर्षक बीच के रुप में माना जाता है। गोवा में आने वाले टूरिस्ट डोना पाउला घूमना और वहां के सौंदर्य को एक्सीपीरियंस करना काफी पसंद करते हैं। यहां पर आप कई वाटर स्पोर्ट्स का मजा भी उठा सकते हैं। डोना पाउला फ्लाईबोर्डिंग भी उपलब्ध है।

# मार्च-अप्रैल घूमने-फिरने वालों के लिए होता है सबसे खूबसूरत महीना, भारत की इन 8 जगहों को करें एक्सप्लोर

मार्च/अप्रैल में भारत में घूमने के लिए सर्वोत्तम स्थान- जैसे-जैसे सर्दियों की ठंड कम होती जा रही है और गर्मियों की गर्मी अभी बाकी है, मार्च भारत के अधिकांश हिस्सों की खोज के लिए एक आरामदायक और सुखद जलवायु प्रदान करता है क्योंकि देश जीवंत रंगों, गर्म धूप और वसंत के फूलों की मनमोहक खुशबू से भरना शुरू कर देता है। यह मौसम उन यात्रियों के लिए बिल्कुल सही है जो भारत की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आकर्षक इतिहास और आश्चर्यजनक प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करना चाहते हैं। हमने उन स्थानों की एक सूची तैयार की है जहां मार्च-अप्रैल 2024 में अविस्मरणीय रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करने के लिए कोई भी जा सकता है। मार्च-अप्रैल 2024 में भारत के शीर्ष 8 यात्रा गंतव्य-

**लेह लद्दाख-**

मार्च में लेह, लद्दाख में पर्यटन सीजन की शुरुआत होती है, जिसमें आश्चर्यजनक परिदृश्यों, प्राचीन मठों और सुरम्य गांवों की खोज के लिए साफ आसमान और मध्यम तापमान की पेशकश की जाती है। पैंगोंग त्सो झील और नुब्रा घाटी के लुभावने दृश्यों को देखने से लेकर माथो मठ में जीवंत उत्सवों और अद्वितीय अनुष्ठानों का अनुभव करने तक, कोई भी इस महीने के दौरान सुंदर परिदृश्यों के बीच लद्दाख की आध्यात्मिक विरासत को देख सकता है, जिससे यह सबसे अच्छे स्थानों में से एक बन जाता है।

**ऋषिकेश, उत्तराखंड-**

मार्च योग की राजधानी के रूप में जाना जाने वाले ऋषिकेश की यात्रा के लिए आदर्श समय है। सुहावने मौसम के अलावा, यह योगियों और प्रकृति प्रेमियों को 1 से 7 मार्च तक अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव मनाने के लिए आमंत्रित करता है, जहां विश्व स्तर पर प्रसिद्ध योगी और योगिनियां जैसे श्री श्री रविशंकर, गौर गोपाल दास, जोंटी रोड्स और अन्य लोग उपदेश देंगे, सिखाएंगे। योग का अभ्यास करें और इसके बारे में जागरूकता पैदा करें। आध्यात्मिकता और शांति का एक आदर्श मिश्रण, यात्री योग रिट्रीट में भाग ले सकते हैं, गंगा के किनारे ध्यान कर सकते हैं और प्राचीन मंदिरों और आश्रमों का पता लगा सकते हैं।

**मथुरा, उत्तर प्रदेश-**

इस साल होली (25 मार्च) उत्तर प्रदेश के मथुरा में मनाएं। लट्ठमार होली की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करने के लिए बरसाना और नंदगांव में स्थानीय लोगों के साथ जुड़ें, जहां पुरुष बरसाना आते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियां लहराते हुए और रंग फेंकते हुए खेल-खेल में बाहर निकाल देती हैं। जीवंत और रंगीन उत्सवों के अलावा, कोई राधा रानी मंदिर में जीवंत संगीत और ताज़ा ठंडाई (दूध, बादाम और मसालों से बना एक पारंपरिक भारतीय पेय) का आनंद भी ले सकता है। कुल मिलाकर मथुरा में होली मनाना एक अनोखा और अविस्मरणीय अनुभव होगा।

**रणथंभौर, राजस्थान-**

मार्च के दौरान भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान और बाघों की बड़ी आबादी का घर, राजस्थान के रणथंभौर का दौरा वन्यजीव प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श समय है, क्योंकि मौसम सुखद रूप से गर्म होगा, जिससे यह रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में सफारी के लिए एक बेहतरीन समय होगा। रणथंभौर फोर्थ की खोज, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, और पदम तलाओ, जो पार्क की सबसे बड़ी झील है, सुंदर जल लिली से सुसज्जित है और पक्षियों को देखने और पीने के लिए आने वाले वन्यजीवों को देखने के लिए एक शानदार जगह है।

# भारत के 5 सबसे प्रसिद्ध शिव मंदिर, यहां दर्शन मात्र से होती हैं मुरादें पूरी

सोमनाथ महादेव मंदिर शिव

भगवान शिव ब्रम्हांड के निर्माता और सृष्टि रचने वाले प्रमुख तीन देवताओं में से एक हैं। शिव भगवान की शिवलिंग, रुद्राक्ष सहित कई तरह के रूपों में पूजा की जाती है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का आती है। शिव भक्तों के लिए यह दिन खास होता है। इस साल महाशिवरात्रि का 8 मार्च 2024 को है। भोलेनाथ की पूजा करने के लिए यह दिन सबसे अच्छा माना गया है। इस खास मौके पर आप भगवान शिव के कुछ फेमस मंदिरों को एक्सप्लोर करने के लिए जा सकते हैं। यहां देखिए भारत के 5 फेमस भगवान शिव के मंदिर।

### सोमनाथ मंदिर

पूजा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग एक बहुत ही पवित्र तीर्थ स्थल है। मंदिर परिसर में एक ध्वनि और प्रकाश शो भी है जो हर शाम होता है।

### लिंगराज मंदिर

इस मंदिर का नाम भगवान शिव के लिंगम रूप के नाम पर रखा गया है। यह मंदिर हर शिव भक्त को जरूर जाना चाहिए।

### शोर मंदिर

महाबलीपुरम में स्मारकों के समूहों में से एक के हिस्से के रूप में, इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है। यहां के दो मुख्य मंदिर भगवान शिव को समर्पित हैं।

### केदारनाथ मंदिर

अमरनाथ गुफा में जाने से पहले भगवान शिव देवी पार्वती के साथ यहां रहते थे। यह मंदिर पवित्र मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है। ठंड के दिनों में इस मंदिर के द्वार बंद हो जाते हैं।

### श्री अमरनाथ गुफा मंदिर

यह मंदिर हिंदू धर्म के एक जरूरी हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहीं पर भगवान ने अपनी पत्नी देवी पार्वती को अमरता का रहस्य बताया था।

# दोस्तों संग घूमने का बना रहे हैं प्लान, देख आएं अजमेर की ये फेमस जगह

घूमने के लिए दीवानों को जैसे ही छुट्टी और समय मिलता है, तो वह धूमने के लिए निकल पड़ते हैं। घूमक्कड़ लोग नई-नई जगहों पर जाना बेहद पसंद करते हैं। ऐसे में आप अजमेर जा सकते हैं। यहां पर घूमने के लिए काफी खूबसूरत जगह। इस शहर में आप फेमस अजमेर शरीफ मजार और पहाड़ी तारागढ़ किला घूमने के लिए जा सकते हैं। देखिए, अजमेर में घूमने की जगह-

**ऐसे में आप अजमेर जा सकते हैं। यहां पर घूमने के लिए काफी खूबसूरत जगह। इस शहर में आप फेमस अजमेर शरीफ मजार और पहाड़ी तारागढ़ किला घूमने के लिए जा सकते हैं।**

### तारागढ़ किला

अजमेर के फेमस पर्यटक स्थलों में से एक तारागढ़ किला है। पहाड़ी की खड़ी ढलान पर बने इस किले में एंट्री पर तीन बड़े गेट बने हैं। घूमने के लिहाज से यह एक बेहतरीन जगह है।

### अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर का अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक मस्जिद है, जोकि कुतुब-उद-दीन-ऐबक द्वारा बनवाया गया था। हर साल यहां हजारों लोग घूमने के लिए आते हैं। अजमेर घूमने के दौरान इस जगह को जरूर एक्सप्लोर करें।

### अजमेर शरीफ

अजमेर में स्थित मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार यहां के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। बड़े-बड़े फिल्मी सितारों से लेकर कई नेता इस दरगाह का रुख करने के लिए आते हैं। यहां आकर लोग मन्नत मांगते हैं और वो पूरी हो जाने पर यहां चादर चढ़ाते हैं।

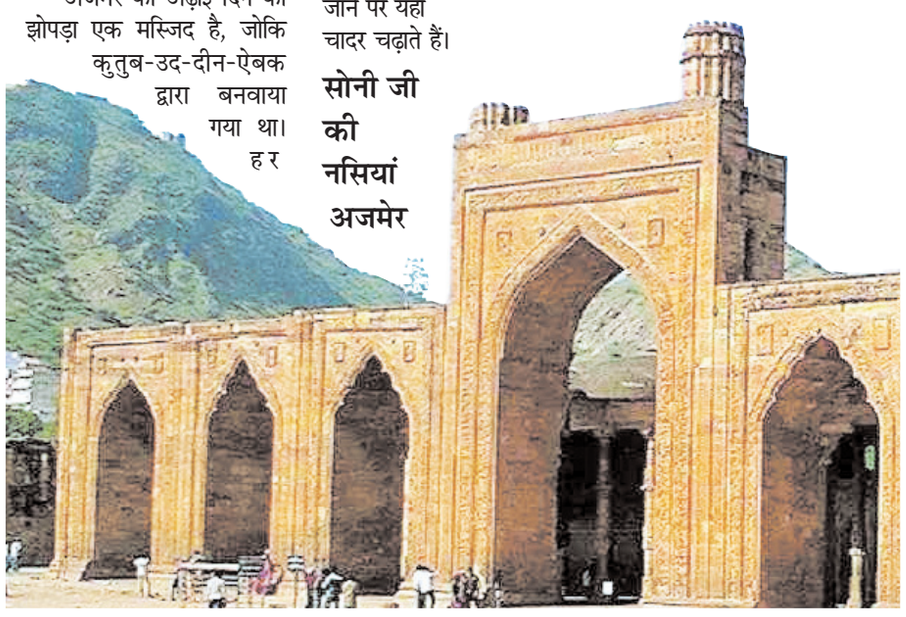

सोनी जी की नसियां अजमेर

सोनी जी की नसिया अजमेर शहर में पृथ्वीराज मार्ग पर स्थित एक फेमस जैन मंदिर है। जो सोनी जी की नसियां के रूप में फेमस है। ये राजस्थान में सबसे अच्छे जैन मंदिरों में से एक है। ये जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण मुख्य कक्ष है।

### नारेली जैन मंदिर अजमेर

अजमेर से लगभग 7 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित नारेली जैन मंदिर दिगंबर जैनों का एक पवित्र तीर्थ स्थल है। इस जगह की खूबसूरती देखने के लिए जरूर जाएं। यह मंदिर पूरी तरह से पत्थर से बना है और इसे चारों ओर सुंदर आकार के बगीचों से सजाया है।

# भारत की इन जगहों पर कर सकते हैं हॉट एयर बैलून राइड

रोमांचक गतिविधियों को पसंद करने वाले लोग हर तरह की राइड का आनंद लेना चाहते हैं। इन एक्टिविटीज में से एक है हॉट एयर बैलून राइड। हॉट एयर बैलून राइड विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ देशी पर्यटकों के बीच सबसे रोमांचक गतिविधियों में से एक है। इस रोमांचक राइड्स का मजा भारत की कई जगहों पर लिया जा सकता है। यहां जानिए भारत की किन जगहों पर लें हॉट एयर बैलून राइड का मजा-

### राजस्थान

राजस्थान की राजधानी जयपुर में हॉट एयर बैलून राइड की सवारी की जा सकती हैं। यहां पर इस राइज का मजा लेने के लिए देश और विदेश के पर्यटक पहुंचते हैं। इस राइड के दौरान खूबसूरक नजारों को देखकर मन खुश हो जाएगा। राइड को करने में लगभग 60 मिनट का समय लगता है। जिसे करने के लिए आपको करीबन 4 से 5 हजार रुपये देने होंगे।

### हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के मनाली में हॉट एयर बैलून राइड का आनंद ले सकते हैं। इस राइड के लिए भारत में इससे बेहतरीन कोई जगह नहीं है। यहां भी राइड करीब 60 मिनट की ही लगभग 1 घंटे का होता है।

### महाराष्ट्र-

महाराष्ट्र में घूमने की कई जगह हैं लेकिन यहां रह रहे लोगों के लिए लोनावाला फेवरिट वीकेंड डेस्टिनेशन है। लोनावला में हॉट एयर बैलून की राइड की जा सकती है। यहां बैलून की सवारी लगभग 60 मिनट तक की होती है। और कीमत लगभग 4-5 हजार रुपये होंगे।

### गोवा-

हॉट एयर बैलून राइड का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो गोवा एक बेहतरीन प्लेस है। राइड के दौरान आपको गहरे समंदर का खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा। अक्टूबर से मार्च के महीने में यहां बैलून राइड कर सकते हैं।

### दार्जिलिंग-

हॉट एयर बैलून राइड का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो दार्जिलिंग से कोई बेहतरीन जगह नहीं है। बौद्ध मठों, हिमालय की आकर्षित चोटियों और चाय के बागानों को देखने के लिए ये जगह सबसे बेस्ट।

# तमिलनाडु की इन जगहों पर जाना पसंद करते हैं घुमक्कड़

घूमने के लिए अगर आप किसी अच्छी जगह पर पहुंच जाते हैं तो मूड पूरी तरह से फ्रेश हो जाता है। वहीं अगर जगह सही न चुनी जाए तो मूड ऑफ हो जाता है। घूमक्कड़ लोग तो हमेशा किसी नई जगह को एक्सप्लोर करने की फिराक में रहते हैं। ऐसे में तमिल नाडु घूमने के लिए जा सकते हैं। ये एक ऐसा शहर है जहां पर घूमने की कई जगह है। वहीं इस शहर के आसपास भी घूमने के लिए खूब जगह हैं। इन जगहों को देखकर आपना मन खुश हो जाएगा।

### रामेश्वरम

रामेश्वरम दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु का एक खूबसूरत द्वीप है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह वही जगह है जहां भगवान राम ने श्रीलंका तक समुद्र पर एक पुल बनाया था।

### यरकौड

यरकौड पूर्वी घाट में प्रचुर हरियाली से भरपूर एक हिल स्टेशन है। ये जगह कॉफी बागानों और शानदार मौसम के लिए जानी जाती है। यरकौड झील इस एरिया के आकर्षणों में से एक है। यह पर्वतमालाओं के सर्वोच्च देवता भगवान सर्वरायण को समर्पित है।

कोडाईकनाल

### कोडाईकनाल

तमिलनाडु राज्य में स्थित, कोडईकनाल भारत के सबसे फेमस हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। यहां धुंध से ढकी चट्टानें और झरने आपका मन मोह लेंगे।

### ऑरोविले

पांडिचेरी शहर से लगभग 15 किमी दूर ऑरोविले तमिलनाडु में है। यह जगह शांति का प्रतीक है और शांति की तलाश करने वालों के लिए परफेक्ट है।

### महाबलीपुरम

ये जगह अपने नक्काशीदार मंदिरों और चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं के लिए फेमस है। महाबलीपुरम तमिलनाडु राज्य में बंगाल की खाड़ी के साथ कोरोमंडल तट पर बसी एक ऐतिहासिक जगह है।

### होगेनक्कल

होगेनक्कल तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले में एक झरना है, जो कावेरी नदी झरनों की कई धाराओं में विभाजित हो जाती है। होगेनक्कल में साल भर पानी रहता है। वीकेंड पर ज्यादातर लोग इस जगह पर पहुंचते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## राजनीति में विश्वसनीयता का संकट भाजपा ने समाप्त किया

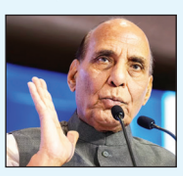

**नईदिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस द्वारा पैदा किये गये ''राजनीति में विश्वसनीयता के संकट'' को समाप्त किया है और वादों को पूरा करके लोगों का विश्वास हासिल किया है। रक्षा मंत्री सिंह तीन लोकसभा क्षेत्रों नबरंगपुर, कालाहांडी और बोलांगीर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,'' कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं किया जिससे लोगों का नेताओं पर से भरोसा उठ गया था, लेकिन भाजपा ने अपने चुनावी वादों को पूरा करके लोगों का भरोसा जीता है। इस प्रकार राजनीति में विश्वसनीयता का संकट समाप्त हुआ है। जनता को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है।'' उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव के बाद लोगों से किए गए वादे ''भूल'' जाती थी और इसीलिए लोगों का नेताओं पर से 'भरोसा उठ' गया था।

## ईडी ने अरविंद केजरीवाल को भेजा सातवां समन

**नईदिल्ली।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुश्किलें बढ़ गईं हैं। जानकारी के अनुसार ईडी केजरीवाल को फिर नया समन जारी किया है। आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए 26 फरवरी को उन्हें पेश होने को कहा गया है। केंद्रीय एजेंसी ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम यानी पीएमएलए के प्रावधानों के तहत सातवां समन जारी किया है और दिल्ली के सीएम केजरीवाल की उस दलील को खारिज करने का काम किया है जिसमें उनकी पेशी के लिए नया नोटिस देना गलत होने की बात कही गई है, क्योंकि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। सूत्रों के हवाले से मीडिया में जो खबरें चल रही हैं उसके अनुसार, सीएम केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 26 फरवरी को जांच एजेंसी के सामने पेश होने तथा अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

## खातों से पैसा जब्त करने बैंकों पर दबाव बनाया गया: कांग्रेस

**नईदिल्ली।** आयकर विभाग द्वारा एआईसीसी, भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई खातों से 65.89 करोड़ रुपये काटे जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के बैंक खातों से पैसे चुरा रही है। राजनेता ने कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्तारूढ़ थी तो उसने कभी भी भाजपा के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) बैंकों से हमारा पैसा चुरा रहे हैं। हमने भी इस देश पर शासन किया है। यदि ऐसा कोई उदाहरण है तो भाजपा बता सकती है कि उन्हें कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार या कांग्रेस सरकार के दौरान इस प्रकार का अनुभव हुआ था। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि बीजेपी ने एक राजनीतिक दल के तौर पर कभी कोई इनकम टैक्स नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि आयकर कटौती लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों पर हमला है।

## सत्यपाल मलिक के परिसरों पर सीबीआई की छापेमारी

**नईदिल्ली।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के परिसरों की तलाशी ली। जांच एजेंसी ने मामले के सिलसिले में 30 स्थानों पर तलाशी ली। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में मलिक के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) केंद्र शासित प्रदेश में एक जल विद्युत परियोजना का ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार की जांच के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जुड़े परिसरों सहित 30 से अधिक स्थानों पर तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने कहा कि यह मामला किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (एचईपी) के 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कार्यों को आवंटित करने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। सत्यपाल मलिक, जिन्होंने 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्टूबर, 2019 के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में कार्य किया।

## भाई की सरकार के खिलाफ वाईएस शर्मिला का प्रदर्शन

**अमरावती।** आंध्र प्रदेश की कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चलो सचिवालय प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन से पहले उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ आंध्र रत्न भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बुधवार को नजरबंदी से बचने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विजयवाड़ा में अपने पार्टी कार्यालय में रात गुजारने का फैसला किया था। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवाओं और छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए राज्य सरकार से कार्रवाई की मांग करना है। वाईएस शर्मिला ने पिछले पांच वर्षों में अपने ही भाई जगन मोहन रेड्डी की सरकार द्वारा इन मुद्दों पर कोई समाधान नहीं निकाले जाने पर निराशा व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शर्मिला ने राज्य सरकार पर सवार उठाए। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए उनके ऊपर आंदोलन को रोकने का आरोप भी लगाया है।

### किसान आंदोलन के बीच गन्ने की एमएसपी बढ़ाने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी, कहा-

# किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वह केंद्र द्वारा गन्ना उत्पादकों को मिलों द्वारा भुगतान की जाने वाली न्यूनतम कीमत में बढ़ोतरी के फैसले के बाद किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने कहा हमारी सरकार देशभर के किसान भाइयों-बहनों के कल्याण से जुड़े हर संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में गन्ना खरीद मूल्य में ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इस कदम से हमारे करोड़ों गन्ना उत्पादकों को फायदा होगा। बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने चीनी सीजन 2024-25 के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को 10.25% की चीनी रिकवरी दर पर 340/क्विंटल पर मंजूरी दे दी।

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) प्रेस विज्ञप्ति में लिखा इस मंजूरी के साथ, चीनी मिलें 10.25% की रिकवरी पर गन्ने का एफआरपी 340 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान करेंगी। रिकवरी में 0.1% की प्रत्येक वृद्धि के साथ, किसानों को 3.32 रुपये की अतिरिक्त कीमत मिलेगी, जबकि कटौती पर उतनी ही राशि काट ली जाएगी। रिकवरी 0.1% है। हालांकि, 315.10 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का न्यूनतम मूल्य है, जो 9.5% की रिकवरी पर है। भले ही चीनी रिकवरी कम हो, किसानों को 315.10 रुपये प्रति क्विंटल पर एफआरपी का आश्वासन दिया जाता है। सरकार ने एक बयान में कहा पिछले 10 वर्षों में, मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को सही समय पर उनकी फसल का सही मूल्य मिले। पिछले चीनी सीज़न 2022-23 का 99.5त्न गन्ना बकाया और अन्य सभी चीनी सीज़न का 99.9% बकाया पहले ही किसानों को भुगतान कर दिया गया है, जिससे यह सबसे कम है। चीनी क्षेत्र के इतिहास में गन्ना बकाया लंबित है। सरकार द्वारा समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के साथ, चीनी मिलें आत्मनिर्भर हो गई हैं और एसएस 2021-22 के बाद से सरकार द्वारा उन्हें कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जा रही है। फिर भी, केंद्र सरकार ने सुनिश्चित एफआरपी सुनिश्चित की है।

मशहूर ब्रांड 'अमूल' के उत्पादक गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) को दुनिया की नंबर एक दुग्ध कंपनी बनाने का लक्ष्य दिया। वर्तमान में यह आठवें स्थान पर है। प्रधानमंत्री यहां नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में जीसीएमएमएफ के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। जीसीएमएमएफ 'अमूल' ब्रांड के तहत अपने उत्पादों का विपणन करता है।

मोदी ने कहा, ''दुनिया में डेयरी सेक्टर सिर्फ 2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है जबकि भारत में डेयरी सेक्टर 6 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आज अमूल (जीसीएमएमएफ) दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी डेयरी कंपनी है, आपका लक्ष्य इसे नंबर एक बनाना है, सरकार अपनी ओर से पूरी मदद देगी। यह मोदी की गारंटी है।''

पूरे राज्य से आए सहकारी दुग्ध संघों के हजारों सदस्यों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत की आजादी के बाद कई ब्रांड सामने आए लेकिन उनमें से कोई भी 'अमूल' जैसा नहीं है। मोदी ने यह भी कहा कि देश के दुग्ध सहकारी आंदोलन के विकास में महिलाओं का योगदान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, ''भारत के डेयरी सेक्टर की असली रीढ़, महिलाशक्ति है। आज अमूल सफलता की जिस ऊंचाई पर है, वह सिर्फ और सिर्फ महिला शक्ति की वजह से है। आज जब भारत महिला नीत विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है तो भारत के डेयरी सेक्टर की यह सफलता उसके लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा है।''

### अमूल के उत्पादक जीसीएमएमएफ को दुनिया की नंबर एक दुग्ध कंपनी बनने का लक्ष्य दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को दूध के

## किसान आंदोलन के बीच भाजपा चला रही ग्राम परिक्रमा यात्रा

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ग्राम परिक्रमा यात्रा कार्यक्रम के माध्यम से देश भर के 1.25 लाख गांवों के किसानों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद शुरू किया है। 12 फरवरी को शुरू की गई यह पहल 12 मार्च तक चलने वाली है, जिसमें कृषक समुदायों के साथ एक महीने की लंबी सहभागिता शामिल है। लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ, भाजपा ने किसानों के साथ सार्थक संबंध स्थापित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की सावधानीपूर्वक व्यवस्था की है। भाजपा के किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने इन पहलों के उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा, गांव परिक्रमा यात्रा और किसान चौपाल के माध्यम से, हम मोदी जी से उनके सुझाव और अपेक्षाएं जानने के लिए किसानों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। ये इनपुट 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए संकल्प पत्र को आकार देंगे, जो संभावित रूप से किसानों के प्रति मोदी की प्रतिबद्धताओं का हिस्सा बनेंगे। देश भर में आयोजित कार्यक्रमों को 900 स्क्रीनों पर प्रसारित किया गया, प्रत्येक जिले में एक स्क्रीन स्थापित की गई। इससे ग्राम परिक्रमा यात्राओं और किसान चौपालों का सीधा प्रसारण संभव हो सका, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के मजदूर और किसान शामिल हुए। किसानों के साथ संवाद करने के प्रयासों में किसानों के कल्याण के लिए मोदी सरकार की पहलों का विवरण देने वाले पत्रक का वितरण भी शामिल था। ग्राम परिक्रमा यात्रा और किसान चौपाल कार्यक्रमों के तहत ग्राम मंडलों का उद्देश्य गांवों में पूर्व सैनिकों, शहीदों के परिवारों और प्रगतिशील किसानों के योगदान को पहचानते हुए मजदूरों और किसानों के साथ सीधे संवाद की सुविधा प्रदान करना है। ग्राम परिक्रमा यात्रा ने 12 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सुख तीर्थ से अपनी यात्रा शुरू की। उद्घाटन रैली में लगभग 20,000 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रमुख अध्यक्ष भूपेन्द्र यादव, धर्मपाल सिंह, स्थानीय नेता और ग्रामीण सभी आकर्षक चर्चा का हिस्सा थे।

### बॉलीवुड की मशहूर गायिका ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया

# ऐश्वर्या राय को लेकर राहुल गांधी पर भड़कीं सोना महापात्रा

**मुंबई।** अपने सियासी भाषणों में राहुल गांधी द्वारा बार-बार ऐश्वर्या राय बच्चन के नाम का इस्तेमाल करने से विवाद खड़ा हो गया है। इस मुद्दे को लेकर बॉलीवुड की मशहूर गायिका सोना महापात्रा ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कांग्रेस नेता द्वारा फिल्म अदाकारा के नाम का इस्तेमाल करने पर निराशा व्यक्त की है। हालांकि बच्चन परिवार की बहू ने अभी तक राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ कटाक्ष में उनके नाम का उल्लेख करने पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सोना महापात्रा ने ऐश्वर्या के समर्थन में ट्वीट्स की एक श्रृंखला पोस्ट करने के लिए माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स का सहारा लिया। सोना महापात्रा ने बुधवार को ट्वीट किया, %%सेक्सिस्ट परिदृश्य में कुछ लाभ पाने के लिए राजनेताओं द्वारा अपने भाषणों में महिलाओं को अपमानित करने का क्या मतलब है? प्रिय राहुल गांधी, निश्चित रूप से किसी ने अतीत में आपकी मां (सोनिया गांधी), बहन (प्रियंका गांधी) को इसी तरह अपमानित किया है और आपको बेहतर पता होना चाहिए? साथ ही ऐश्वर्या राय बहुत ही खूबसूरत डांस करती हैं।

एक अन्य ट्वीट में, सोना महापात्रा ने एक एक्स यूजर की भी क्लास लगाई, जिसने लिखा, एक वैश्या की तरह नाचना खूबसूरत है। भगवान का शुक्र है कि उसने (ऐश्वर्या राय) ओडिसी का प्रयास नहीं किया... उमराव जान तथाकथित नृत्य के बारे में बहुत कुछ कहती है। यहां तक कि विद्या बालन ने भी ओडिसी को दरबारी नृत्य के रूप में चित्रित करने की हिम्मत नहीं की। उन्होंने सिर्फ एक ओडिसी नर्तक की भूमिका निभाई थी। सोना महापात्रा ने जवाब में लिखा, एक वैश्या की तरह नाचना वास्तव में आपकी प्रशंसा है मूर्ख अनपढ़... आम्रपाली, बरनी, पुरसती से लेकर उमराव जान तक, भारतीय इतिहास की तवायफें अपनी कला, भाषाओं और कविता, प्रदर्शन कलाओं और कलात्मकता के लिए पूजनीय थीं।

मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि उन्होंने पिछले महीने अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठापन में अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय और बड़े बिजनेसमैन जैसे लोगों को देखा, लेकिन गरीब, मजदूर और किसान कहीं नजर नहीं आए।

## भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे अखिलेश यादव

**लखनऊ ।** सपा व कांग्रेस के बीच यूपी में सीट बंटवारे के बाद अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे। अखिलेश यादव 25 फरवरी को आगरा में न्याय यात्रा से जुड़ेंगे। इसके पहले अखिलेश यादव ने रायबरेली में न्याय यात्रा से जुड़ने का एलान किया था पर सीट बंटवारे पर फैसला न होने के कारण उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया था। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमने अखिलेश यादव को आमंत्रित किया है। वो न्याय यात्रा में शामिल होंगे। राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के अमेठी से लड़ने पर उन्होंने कहा कि ये तो उन्हें ही तय करना है। ये दोनों सीटें गांधी परिवार की थीं। गांधी परिवार की ही रहेंगी। बुधवार को सीट बंटवारे पर सहमति बनने के बाद अब अखिलेश न्याय यात्रा मे शामिल होंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

## भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच आज

**रांची।** भारतीय टीम मौजूद समय में इंग्लैंड के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज में भारतीय टीम अच्छे लय में नजर आ रही है। भारतीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभाल रहे हैं। पहले टेस्ट मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम ने शानदार कमबैक करते हुए सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारतीय टीम का चौथा मुकाबला 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे शुरू होगा। चौथे मुकाबले के लिए भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम से रिलीज कर दिया गया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उभरा है कि जिस रांची टेस्ट को जीतने के लिए टीम इंडिया को पूरा जोर लगाने की जरूरत है, वहां बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट का हवाला देकर बाहर बैठा दिया गया। रोहित शर्मा यह बात खुद भी जानते हैं कि बुमराह की गैरमौजूदगी में भारत का तेज आक्रमण तो कमजोर होगा ही, वहीं इसका असर पूरी टीम पर पड़ेगा। यदि इंग्लैंड की टीम ने रांची में खेले जाने वाले टेस्ट मुकाबले में जीत दर्ज कर ली तो वह यह सीरीज में बराबरी कर लेगी। अगर ऐसा हुआ तो धर्मशाला में होने वाले पांचवें टेस्ट में भारत को निर्णायक टेस्ट मुकाबला खेलना होगा। वहीं भारतीय टीम की ओर से रांची टेस्ट में सिराज का खेलना तय माना जा रहा है। वहीं मुकेश कुमार का फॉर्म अच्छा नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि रांची में खेले जाने वाले टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम अपने प्लेइंग 11 में बदलाव कर सकती है। भारतीय टीम की ओर से आकाश दीप को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिल सकता है।

**टीम**- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 535 अंक चढ़ा निफ्टी 22,217 पर बंद

**नईदिल्ली।** वैश्विक बाजारों में पॉजिटिव रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में एक दिन की गिरावट के बाद गुरुवार को फिर तेजी दर्ज की गई जिससे स्टॉक मार्केट चढ़कर बंद हुई। आईटी और मेटल शेयरों में एक दिन पहले गिरावट के बाद आज तेजी और इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले आईटीसी के शेयर में उछाल की वजह से शेयर बाजार चढ़कर क्लोज हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव 72,623.09 अंक के मुकाबले 72,677.51 पर खुला और कारोबार के दौरान 73,256.39 के हाईएस्ट और 72,081.36 के नीचले लेवल तक गया। भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और 535.15 अंक के उछाल के साथ 73,158.24 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 162.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,217.45 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

## पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हुआ इनसैट-3डीएस

**नई दिल्ली।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया है कि इनसैट 3डीएस सैटेलाइट सफलतापूर्वक पृथ्वी की जियोसिंक्रोनस कक्षा में स्थापित हो गया है। इसरो ने बताया कि सभी चार लिक्विड एपोजी मोटर फायरिंग पूरी हो गई हैं। अब सैटेलाइट के ऑर्बिट टेस्टिंग लोकेशन पर 28 फरवरी 2024 तक पहुंचने की उम्मीद है। जियोसिंक्रोनस कक्षा में एक नाक्षत्र दिवस 23 घंटे, 56 मिनट और 4 सेकेंड के बराबर होता है। जिसमें सैटेलाइट की कक्षा पृथ्वी के घूर्णन के समान हो जाती है। ये कक्षा गोलाकार या गैर-गोलाकार प्रकार की हो सकती है। इसरो की सैटेलाइट इनसैट-3डीएस को बीती 17 फरवरी को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इनसैट-3डीएस को जीएसएलवी एफ-14 लॉन्च व्हीकल से अंतरिक्ष में भेजा गया था।

## ब्रह्मोस मिसाइल खरीद के लिए 19 हजार करोड़ के सौदे को मंजूरी

**नई दिल्ली।** सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने 200 ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद की डील को मंजूरी दे दी है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की खरीद भारतीय नौसेना के लिए की जाएगी और ये मिसाइलें भारतीय नौसेना के युद्धक जहाजों पर तैनात की जाएंगी। यह डील 19 हजार करोड़ रुपये की है। बुधवार शाम को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई, जिसमें इस सौदे को मंजूरी दी गई। सौदे पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस और रक्षा मंत्रालय के बीच मार्च के पहले हफ्ते में हस्ताक्षर हो सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत और रूस की सरकार का एक संयुक्त उपक्रम है, जो ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करता है। इन मिसाइलों को सबमरीन, युद्धक जहाजों, एयरक्राफ्ट और जमीन से भी फायर किया जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल भारतीय नौसेना का प्रमुख हथियार है, जो एंटी शिप और अटैक ऑपरेशन में इस्तेमाल होता है।

## अगले 10 वर्षों में ग्रोथ रेट 6 से 8 प्रतिशत रहने का भरोसा

**नईदिल्ली।** केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को विश्वास जताया कि भारत अगले 10 वर्षों में लगातार छह से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू तथा वैश्विक बाजारों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक कंपनियों को देश में आमंत्रित किया जा रहा है। रेल, संचार एवं आईटी मंत्री वैष्णव ने 'रायसीना डायलॉग 2024' में कहा कि भारत दुनिया और नए विचारों के लिए खुला है। उन्होंने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी दर से लगातार बढ़ रही है। अगले 10 वर्षों में भारत लगातार छह से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ता रहेगा। मैं बेहद विश्वास के साथ यह कह सकता हूं। वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार द्वारा लाई गई विभिन्न विकास पहलों को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके लिए आधारशिलाएं पहले से ही मौजूद हैं और अब परिणाम दिखाई दे रहे हैं।

# अंतरिम बजट में रेलवे के उन्नत स्वरूप की परिकल्पना

**कृष्णमोहन झा**

एक दशक पूर्व केंद्र में गठित मोदी सरकार ने 2017 में जब रेलवे बजट और आम बजट अलग अलग प्रस्तुत करने की लगभग 90 साल पुरानी परंपरा को तोड़ कर रेल बजट का आम बजट में विलीनीकरण कर किया तब सरकार के उस फैसले पर अंगुली उठाने वालों की कोई कमी नहीं थी परन्तु हमेशा ही लीक से हटकर चलने में विश्वास रखने वाली मोदी सरकार के इस फैसले ने गत दस वर्षों में निरंतर अपनी उपादेयता सिद्ध की है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली और ?वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अभी तक जितने भी बजट संसद में पेश किए हैं उन सभी में विभागीय बजट आवंटन के मामले में रेलवे के साथ पर्याप्त न्याय किया गया। गत तीन वर्षों में आम बजट में रेलवे के लिए आवंटित राशि में हर साल इजाफा किया गया। गत वर्ष आम बजट में रेलवे के लिए 2 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया था जिसे इस वर्ष 1 फरवरी को संसद में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश आम बजट में बढ़ाकर 2 लाख 55 हजार रुपए कर दिया गया है। यह इस बात का परिचायक है कि मोदी सरकार भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। भारतीय रेल का स्वरूप इतना परिष्कृत हो चुका है कि वह अब विश्व की उन्नत रेल सेवाओं के समकक्ष खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गत 1 फरवरी को संसद में जो अंतरिम बजट पेश किया उसमें उन्होंने रेलवे के लिए राशि आवंटन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा कि रेलवे को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के

क्रियान्वयन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह सक्षम बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि 2023-24 के लिए रेलवे को जो बजट आवंटित किया गया था उसकी 75 प्रतिशत राशि का उपयोग रेलवे ने प्रथम 9 माहों में ही कर लिया था। रेल मंत्रालय के अनुसार यह अपने आप में एक रिकॉर्ड था।? इस वर्ष भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में रेलवे के लिए जो दो लाख 55 हजार करोड़ रुपए की जो राशि आवंटित की है उसके उपयोग से वह अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने जा रहा है जिसमें 40000 सामान्य बोगियों को वंदे भारत ट्रेन की बोगियों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य प्रमुख है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मोदी सरकार ने यात्री सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते हुए विभिन्न मार्गों पर जो वंदे भारत ट्रेन प्रारंभ की हैं उनके प्रति लोगों का आकर्षण दिनों दिन बढ़ता जा रहा है इसीलिए रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों की सुविधा हेतु 16 बोगी वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाने का फैसला किया है। स्लीपर युक्त वंदे भारत ट्रेन में 800 से अधिक यात्री सफर कर सकेंगे। रेलवे के अनुसार मार्च तक पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पटरियों पर दौड़ने लगेगी। गौरतलब है कि देश में इस समय 35 से अधिक वंदे भारत ट्रेन विभिन्न मार्गों पर चल रही हैं। इसके अलावा देश के दूसरे शहरों में भी सरकार मेट्रो और नमो ट्रेन शुरू करने की योजना पर विचार कर रही है।

केंद्रीय वित्तमंत्री ने अंतरिम बजट में देश में पहली बार जिन तीन आर्थिक रेल गलियारों के निर्माण की घोषणा की है वह आने वाले समय में रेल सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कदम साबित होगा। ये तीन गलियारों में एक गलियारा ऊर्जा, खनिज और सीमेंट के लिए हो , दूसरा गलियारा पोर्ट कनेक्टिविटी के लिए तथा तीसरा गलियारा उच्च यातायात घनत्व को नियंत्रित करने के लिए होगा।तीन रेल गलियारों का निर्माण कार्य 5 वर्ष के अंदर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। गौरतलब है कि मल्टी माडल कनेक्टिविटी को सक्षम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का शुभारंभ किया था।पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट के तहत इन परियोजनाओं की पहचान कर ली गई है । अधिक यातायात वाले गलियारे में भीड़ कम होने से न केवल यात्री ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी बल्कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

# उद्योग विभाग की जमीन पर कब्जा, मंत्री ने कहा जल्द मुक्त करायेंगे

**रायपुर।** दुर्ग जिले के हथखोज औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग विभाग की जमीन पर कब्जे को लेकर गुरुवार को मामला उठा। भाजपा सदस्य रिकेश सेन ने आरोप लगाया कि करीब सौ एकड़ जमीन पर बाहुबलियों का कब्जा है। इस पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द जमीन की बेदखली के लिए कार्रवाई की जाएगी। प्रश्नकाल में भाजपा सदस्य देवांगन के सवाल के जवाब में उद्योग मंत्री ने बताया कि दुर्ग जिले के हथखोज क्षेत्र में उद्योग लगाने के लिए सरकार ने 181.33 हेक्टेयर, इंजीनियरिंग पार्क के लिए 57.17 हेक्टेयर और रेल पार्क के लिए 6.14 हेक्टेयर जमीन का आबंटन किया गया है। उद्योग मंत्री के जवाब से भाजपा सदस्य रिकेश सेन संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा हो चुका है, और एमओयू करने वाले उद्योग समूहों को जमीन नहीं मिल पा रही है। रिकेश सेन ने पूछा कि क्या अवैध कब्जा को हटाया जाएगा? इसके जवाब में उद्योग मंत्री ने बताया कि भारी औद्योगिक क्षेत्र एमेनीटीज के लिए आरक्षित जमीन पर अवैध कब्जा है। अवैध कब्जाधारियों को कब्जा हटाने के लिए समय-समय पर नोटिस जारी किया गया है। हाईकोर्ट से अवैध कब्जाधारियों को स्थगन भी मिला हुआ है। भाजपा सदस्य ने कहा कि करीब सौ एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा है। जिसे बाहुबलियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने पूछा कि क्या अवैध कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। उद्योग मंत्री ने कहा कि उद्योग विभाग की जमीन पर बेदखली के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी।

# रायपुर जिले में पिछले तीन साल में विभिन्न कारखानों में कुल 182 दुर्घटनाएं हुईः देवांगन

**रायपुर।** रायपुर जिले में पिछले तीन साल में विभिन्न कारखानों में कुल 182 दुर्घटनाएं हुई है। इन दुर्घटनाओं में 98 श्रमिकों की जान गई है। यह जानकारी श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। भाजपा सदस्य अनुज शर्मा ने जानना चाहा कि रायपुर जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न दुर्घटनाओं में पिछले तीन साल में कितनी दुर्घटनाएं हुई है? इसके जवाब में श्रम मंत्री ने बताया कि रायपुर जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कारखानों में पिछले तीन साल में 182 दुर्घटनाएं हुई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं में 98 श्रमिकों की जान गई। एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि संचानालय औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दुर्घटनाओं की जांच के उपरांत सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन के लिए अभियोजन प्रकरण श्रम न्यायालय में दायर किए गए हैं। श्रम मंत्री देवांगन ने बताया कि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए जांच अधिकारी द्वारा प्रतिबंधात्मक जानकारी उपलब्ध करा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। कारखाने का सेफ्टी ऑडिट भी समय-समय कराया गया है। श्रमिकों को जागरूक करने, और उनके कार्यस्थलों में सुरक्षा व्यवस्थाओं में सुधार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन भी हर साल 4 मार्च को कराया जाता है। सुरक्षा दिवस मनाने की प्रक्रिया में कारखानों में श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण, सुरक्षा संगोष्ठी, सुरक्षा फिल्म आदि का कार्यक्रम कराया गया है। यही नहीं कारखाने में कार्यरत श्रमिकों को सुरक्षित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त हो इसके लिए प्रयास किया जाता है।

# पार्षदों ने खेल मैदान, उद्यान और श्मशान घाट की अव्यवस्था पर जताई चिंता

**रायपुर।** नगर निगम को सामान्य सभा में बजट पर चर्चा के दौरान पार्षदों ने खेल मैदान उद्यान एवं श्मशान घाट के रखरखाव पर चिंता व्यक्त की। भाजपा पार्षद डॉ प्रमोद साहू ने कहा कि शहर में कुछ ही खेल मैदान बचे हैं जिन्हें दुरस्त करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा पंडरी स्थित प्रगति मैदान के लिए पिछले बजट में पांच करोड़ का प्रावधान किया गया था किंतु काम नहीं हुआ इसके बाद जिम का निर्माण महापौर के निर्देश पर शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बजट में दो करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जिसे खर्च किया जाना आवश्यक है। खेल मैदान को संरक्षित करते हुए मेला के लिए आवंटित नहीं करने का अनुरोध किया। इसी तरह उद्यानों में पेड़-पौधों पर पानी डालने की नियमित व्यवस्था करने की मांग की। शहर के कई शमशान घाट में चौकीदार की व्यवस्था नहीं है जिसके चलते अंतिम संस्कार के बाद मृत्यु प्रमाण फा के लिए पत्रक नहीं भरा जाता जिससे पार्षदों को परेशानी होती है। सभापति प्रमोद दुबे ने इसे गंभीरता से लिया और पार्षदों से उन श्मशान घाट के नाम पूछे जहां चौकीदार नहीं है। पार्षदों ने लालपुर गोंदवारा लभांडी, खपरा भट्टी पंडरी अमलीडीह गोगा व मुक्तिधाम चौकीदार नहीं होने की जानकारी दी।

# घोटालेबाजों को जेल नियमावली के अनुसार ही मिल रही है सुविधाएं

शराब, और कोयला, घोटाले के आरोपियों को सामान्य कैदियों की तरह सामान्य बैरकों में रखा गया है। जेल नियमावली के अनुसार बैरकों में सुविधाएं दी जा रही है। यह जानकारी गृहमंत्री विजय शर्मा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। भाजपा सदस्य राजेश मूणत ने जानना चाहा कि कोयला और शराब घोटाले के आरोपियों, जिन्हें अदालत के आदेश पर सेंट्रल जेल में बंद किया गया है क्या उन्हें सामान्य कैदियों की तरह सामान्य बैरकों में रखा गया है? या फिर किसी प्रकार की विशिष्ट बैरकों में रखते हुए विशेष सुविधाएं दी जा रही है? गृहमंत्री ने बताया कि बैरकों में कैदियों को सामान्य कैदियों की तरह रखा गया है। शराब घोटाले के आरोपियों में से एक अनवर ढेबर को जेल में रहते हुए चार बार अलग-अलग अस्पतालों में उपचार के लिए भर्ती किया गया। इसी तरह त्रिलोक सिंह ढिल्लन को भी अंबेडकर अस्पताल में भर्ती किया गया था। नितेश पुरोहित का भी जिला अस्पताल, और अंबेडकर अस्पताल में इलाज चला, और वो भी भर्ती रहा। सूर्यकांत तिवारी भी अलग-अलग अवधि में अंबेडकर अस्पताल, डीकेएस अस्पताल में भर्ती रहा। इसी तरह से सुनील अग्रवाल, और लक्ष्मीकांत तिवारी का भी अलग-अलग समय में भर्ती रहे हैं।

# एथेनॉल प्लांट की स्थापना के लिए 34 कंपनियों ने एमओयू किया

प्रदेश में एथेनॉल प्लांट की स्थापना के लिए कुल 34 कंपनियों ने एमओयू किया है। इनमें से एक कंपनी में उत्पादन शुरू हो गया है। यह जानकारी उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। कांग्रेस सदस्य श्रीमती शेषराज हरवंश ने जानना चाहा कि प्रदेश में एथेनॉल प्लांट की स्थापना के लिए कितनी कंपनियों ने एमओयू किया है? इसके जवाब में उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि प्रदेश में 34 कंपनियों ने एथेनॉल प्लांट लगाने के लिए एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि 9 प्लांट बेमेतरा जिले में बिलासपुर में 1, दुर्ग में 3, जगदलपुर में 1, जांजगीर-चांपा में 1, कवर्धा-महासमुंद में 1-1, मुंगेली में 2, रायगढ़ में 1, और रायपुर में 3 प्लांट की स्थापना प्रस्तावित है। उद्योग मंत्री ने कहा कि सरगुजा में 1 प्लांट लगना है। उन्होंने बताया कि 9 कंपनियों ने स्थल के चयन के लिए प्रक्रिया शुरू की है। अभी इन कंपनियों ने प्लांट स्थापना के लिए जमीन चिन्हित नहीं की है। उन्होंने बताया कि एक प्लांट में उत्पादन शुरू भी हो चुका है।

# सत्तापक्ष के विधायक ने ही उठाया सरगुजा जिले में अपराध पर सवाल

विधानसभा में बीजेपी विधायक रामकुमार टोप्पो ने सरगुजा जिले में हुए अपराधों को लेकर सवाल उठाया. पूछा. इसके साथ ही उन्होंने हत्या के एक मामले में दुष्कर्म की आशंका जताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की. इस पर मंत्री ने गुल रेंज के अधिकारी से घटना की जांच कराने की घोषणा को. बीजेपी विधायक रामकुमार टोप्पो ने सवाल किया कि सरगुजा जिले में पिछले 3 वर्षों में बलात्कार, हत्या, चोरी, डकैती, मानव तस्करी व हरिजन अत्याचार के कितने प्रकरण दर्ज था?

गृहमंत्री विजय शर्मा की गैर मौजूदगी में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जवाब देते हुए कहा सभा कि इस दौरान जिले में बलात्कार के 468, हत्या के 175, चोरी के 1512, डकैती के 07, मानव तस्करी के 08 और अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत 50 प्रकरण दर्ज है. रामकुमार टोप्पो ने हत्या के एक मामले में दुष्कर्म की आशंका जताते हुए कहा कि व्यक्ति विशेष का शव संदेहास्पद स्थित में मिला था. परिजनों के साथ भी पुलिस का व्यवहार ठीक नहीं था. इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हो. इस पर मंत्री ने गुल रेंज के अधिकारी से घटना की जांच कराने की घोषणा की.

**पूर्व मंत्री की पत्नी डहरिया के कारनामों का खुलासा !**

# ईडब्ल्यूएस की जमीन पर आलीशान गार्डन और भवन बनाया

**रायपुर।** पूर्व मंत्री शिव डहरिया की पत्नी शकुन डहरिया के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शकुन डहरिया ने शताब्दी नगर में एक नहीं दो जगह कब्जा कर रखा था। ईडब्ल्यूएस की लगभग 15 हजार वर्ग फीट जमीन पर आलीशान गार्डन और भवन तान दिया है। वहीं अटल आवास के मकानों को तोड़कर बनाया समिति के लिए भवन बनाया गया है। भवन और गार्डन बनाने पर निगम, स्मार्ट सिटी और शासन का करीब साढ़े 3 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वहीं अब पूर्व मंत्री शिव डहरिया और उनकी पत्नी को बड़ा झटका नगर निगम ने भी दिया है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया की पत्नी शकुन डहरिया को नगर निगम से नोटिस मिला है। उन्हे 72 घंटे के भीतर भवन को कब्जा मुक्त करने का नोटिस दिया गया है। बता दें कि पूर्व मंत्री की पत्नी शकुन डहरिया राजश्री सद्भावना समिति की अध्यक्ष हैं। निगम ने भवन में समिति के आधिपत्य को विधि विरुद्ध बताया है। नोटिस में कहा कि राजश्री सद्भावना समिति को आधिपत्य नहीं दिया गया है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया के दावे को निगम के नोटिस ने खारिज कर दिया है। शिव डहरिया ने एमआईसी से स्वीकृति मिलने का दावा किया है। जबकि प्रस्ताव सामान्य सभा से पारित नहीं हुआ था। वहीं अवैध कब्जे के आरोप को लेकर पूर्व मंत्री डहरिया का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि एमआईसी से भवन की स्वीकृति मिली है। डहरिया ने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को टारगेट किया जा रहा है। वहीं प्रेसवार्ता के दौरान शिव डहरिया आबंटन पत्र नहीं दिखा पाए। ढाई करोड़ रुपए खर्च को लेकर भी स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए।

### विधिवत रूप से जो भी होगा वो कार्यवाही की जाएगीः किरण

पूर्व मंत्री शिव डहरिया की पत्नी पर सामुदायिक भवन को लेकर लगे आरोपों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का बयान सामने आया है। किरण सिंह देव ने कहा कि कमजोर वर्ग की जमीन का दुरुपयोग करना बड़ी निंदनीय बात है। इतने बड़े पदों में और जिम्मेदारियां में रहते हुए ऐसे कार्य हुए निश्चित रूप से निंदनीय है। विधिवत रूप से जो भी होगा वो कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने पूर्व मंत्री शिव डहरिया पर बंगले से सामान गायब करने के आरोपों पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि आदत पड़ गई है अब उन्हें, कोई फर्क नहीं पड़ता इन लोगों को, इस मामले पर संज्ञान लेकर विधिवत कार्रवाई होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

## सात पुलिस अफसरों को आईपीएस अवार्ड

**रायपुर।** भारतीय पुलिस सेवा के 7 अफसरों को आईपीएस अवार्ड देते हुए उनकी पदोन्नति आदेश किए है। ये अफसर छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाएं दे रहे है। 2020 कैडर के उमेश चौधरी, मनोज कुमार खेलारी, रवि कुमार कुर्रे, चैनदास टंडन व सुरजन राम भगत तथा 2021 कैडर के दर्शन सिंह मेरावी व झाडूराम ठाकुर शामिल है। भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 9 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय पुलिस सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम के विनियम 9 के उप-विनियम (1) के साथ पठित , 1955, राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्त करते हुए और उन्हें भारतीय पुलिस सेवा (कैडर) नियम के नियम 5 के उप-नियम (1) के तहत छत्तीसगढ़ कैडर में आवंटित करते हुए प्रसन्न हैं। उपरोक्त अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम के अनुसार एक वर्ष तक परिवीक्षा पर रहेंगे और अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के उप नियम 5(4) के अनुसार प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यथा संशोधित दिनांक 10.05.2011. उपरोक्त नियुक्तियाँ ओ.ए. के अंतिम परिणाम के अधीन होंगी। श्री यशपाल बनाम गृह मंत्रालय द्वारा दायर 830/2018, माननीय कैट जबलपुर बेंच के समक्ष लंबित है।

## मुख्यमंत्री साय की सरकार राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जनजाति की रक्षा नहीं कर पायी

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जनजाति के तीन सदस्यों की रक्षा नहीं कर पाई। प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री के रहते हुये संरक्षित जनजाति के परिवार की हत्या कर दी गयी थी। पंडरिया विधानसभा के कुकदूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाग डबरा में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या हुई थी जिसे हादसा बताकर लीपा पोती किया जा रहा था। दुर्घटना बताया जा रहा था जबकि घटनास्थल में सारे साक्ष्य इस बात की गवाही दे रहे थे यह अग्नि दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने आगजनी किया गया था. कांग्रेस का शक आज सच साबित हो गया है. बैगा जनजाति के जमीनों पर कब्जा करने के लिए लगातार इस प्रकार की घटनाएं हो रही है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जनजाति के परिवार के हत्यारो को कड़ी से कड़ी सजा मिले. इस घटना में लीपापोती करने वाले अधिकारियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो, इस प्रकरण की न्यायिक जांच की जाए। पूर्व में भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए 30 जनवरी को मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर न्यायिक जांच की मांग कर चुका हूं।

## राशन कार्ड नवीनीकरण के लिए सिर्फ 3 दिन शेष

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है. 21 फरवरी की स्थिति में 64 लाख 22 हजार 571 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है. राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग की ओर से दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिए राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन भर रहे हैं. बता दें कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी तक किया जाएगा. विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग की ओर से खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाइल एप तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है. हितग्राही की ओर से खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से एप डाउनलोड किया जा सकता है. संचालक जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि राशन सभी को दिया जाएगा, जिनके पास कार्ड है. किसी वजह से राशन कार्ड नवीनीकरण में दिक्कत आ रही है तो भी राशन दिया जाएगा. राशनकार्ड जिनके नाम में अगर उसकी मृत्यु हो गई है नाम जोड़ने घटाने के साथ अन्य परिजनों के नाम पर नवीनीकरण करने का निर्देश दिया गया है.

## साधराम हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग

**रायपुर।** विधानसभा में आज कवर्धा के साधराम यादव हत्याकांड पर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस के विधायक इस पर चर्चा कराने की मांग करती हुए गर्भगृह में घुसकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सदन में गर्भगृह तक पहुंचने वाले सभी कांग्रेस विधायकों के निलंबन की घोषणा की। इस पर चर्चा न कराने को लेकर नाराज कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा परिसर स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा के सामने बैठकर अपना आक्रोश जताया। विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान विपक्ष की ओर से भूपेश बघेल ने साधराम हत्याकांड पर स्थगन प्रस्ताव लाते हुए इस पर चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष के अन्य सदस्यों ने भी इसकी सीबीआई जांच और पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग की। विपक्ष ने इस मामले में सरकार की ओर से जवाब मांगा। संसदीय कार्य मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस पर आपत्ति करते हुए कहा कि इस पर किसी अन्य माध्यम से चर्चा हो सकती है। अध्यक्ष ने भी चर्चा की अनुमति नहीं दी। इससे नाराज होकर कांग्रेस के सभी सदस्यों ने खड़े होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। जवाब में सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े होकर हंगामा करने लगे। विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में चले गए जिस पर डॉ रमन सिंह ने सभी सदस्यों के निलंबन की घोषणा करते हुए उन्हें बाहर जाने के लिए कह दिया।

## छग उच्च न्यायालय में स्व. फली सैम नरीमन और स्व. प्रशांत जायसवाल को दी गई श्रद्धांजलि

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट-रूम में प्रख्यात ज्यूरिस्ट और भारत के पूर्व एडिशनल सॉलीसिटर जनरल स्वर्गीय श्री फली सैम नरीमन तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के उच्चतम न्यायालय तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के बार एसोसिएशन के सदस्य स्वर्गीय श्री प्रशांत जायसवाल की मृतात्मा की शांति के लिए शोक सभा आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा तथा अन्य न्यायमूर्तिगणों की उपस्थिति में शोकसभा आयोजित की गई। मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने उपस्थितगणों को संबोधित करते हुए स्वर्गीय श्री फली सैम नरीमन और स्वर्गीय श्री प्रशांत जायसवाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया व श्रद्धांजलि अर्पित की। महाधिवक्ता श्री प्रफुल्ल एन. भारत, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री उमाकांत सिंह चंदेल तथा डिप्टी सॉलीसिटर जनरल श्री रमाकांत मिश्रा ने भी उपस्थितगणों को संबोधित करते हुए स्वर्गीय श्री फली सैम नरीमन तथा स्वर्गीय श्री प्रशांत जायसवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया व श्रद्धांजलि अर्पित की।

**माया और मोह से दूर ले जाता है सत्संग, इसलिए बार-बार सुनो**

# माया व अहंकार का परदा पड़ा है तो कैसे होंगे दर्शन प्रभु के - राजीवनयन

**रायपुर।** जीव का सबसे प्रिय मित्र है परम ब्रम्ह परमात्मा, वो आपके हृदय में है पर आप उनका दर्शन नहीं कर पाते हैं इसलिए कि उनके और आपके बीच अज्ञान, अंधकार, माया व अहंकार का परदा पड़ा हुआ है। जो तुम्हारा है तुम नहीं समझ पा रहे हो तो दूसरा क्या समझेगा? जीव को अपनी आत्मा का ज्ञान या बोध होना ही आध्यात्म है। ज्ञान जीव को गुरुदेव की कृपा से प्राप्त होता है। मोह को दूर करता है सत्संग और जब बार-बार भागवत कथा सुनोगे तो मोक्ष मिल जायेगा। हिंद स्पोर्टिंग लाखेनगर मैदान में आयोजित श्रीमद भागवत कथा सत्संग में संत राजीवनयन महाराज ने बताया कि जैसे प्रेम का भाव आता है कृष्ण हमारी तुम्हारी भाषा समझ जाता है। कृष्ण माखनचोर ही नहीं बल्कि चित्तचोर के रूप में भी जाने जाते हैं। मथुरा जाने के लिए जब श्रीकृष्ण अक्रूर के साथ रथ पर सवार हुए तो यशोदा व गोपियों की विरह लीला का प्रसंग शब्दों में प्रगट नहीं किया जा सकता है। सारा जगत जिस जगन्नाथ की उंगलियों पर नाचता है, वही माता यशोदा की उंगली पर नाचता है। मुट्ठी पर छांछ के लिए गोपियों के इशारे पर नाचते हैं। गोपियों की प्रेम निश्छल है, लेकिन आज प्रेम का प्रदर्शन किया जा रहा है। धर्म को जीया जाता है और प्रेम को पीया जाता है। प्रसंगवश उन्होने बताया कि एक भक्त श्रीकृष्ण से कहता है कि वो कुछ मांगने आया है। तब श्रीकृष्ण उन्हे बताते हैं उनके पास दो ही चीजें हैं एक माया और दूसरी भक्ति बताओ क्या चाहिए। भक्त कहता है शब्दों में न उलझायें दोनों का अंतर स्पष्ट करें। तब गोविंद बताते हैं तुम्हे खुद नाचना है तो माया को ले जाओ और मुझे नचाना है तो भक्ति को। जीव माया के वशीभूत होकर नाचता है। भागवत में बताया गया यह संदेश हर जीव के लिए है।

**जो बोओगे.. वही तो काटोगे-** कथाव्यास ने बताया कि जो तुमको पसंद नहीं वह दूसरों के साथ कभी नहीं करना। माता पिता गुरु अतिथि को देवतुल्य माना गया है। कभी भी उनका तिरस्कार न करें। माता पिता के आंसू दो ही बार आते हैं एक बेटी की विदाई के समय और दूसरा बेटा बड़ा होने के बाद कटु वचन बोलता है तब। यदि आप चाहते हैं कि बड़ा होने पर तुम्हारा बेटा तुम्हारी सेवा करें तो तुम भी वही करों ताकि बच्चा अनुसरण कर सके। इसलिए शास्त्र कहते हैं जैसे बोओगे वैसा ही काटोगे। संत राजीवनयन ने 1108 श्रीमद्भागवत कथा करने का संकल्प लिया है,आज वे 644 वीं कथा कर रहे हैं। जिनमें से 400 कथा तो केवल छत्तीसगढ़ में ही कर चुके हैं। कथा के बीच वे हमेशा इस बात का जिक्र करते हैं छत्तीसगढ़ के लोगों में धर्म के प्रति जो आस्था और भक्ति है वह अद्भुत है।

# उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा आज रक्षित केंद्र रायपुर स्थित एकलव्य शूटिंग केंद्र एवं शस्त्र प्रशिक्षण केंद्र में छत्तीसगढ़ के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में राज्य के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस सहित पुलिस के अधिकारी एवं जवान मिलाकर लगभग 130 लोग इस एयर रायफल, एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहें हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिता एक नवाचार और अभ्यास है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से भविष्य में बड़े आयोजनो में हम जरूर मेडल जीतकर आएंगे। उन्होंने कहा कि टारगेट शूटिंग न केवल आपको सक्रिय रखने के लिए एक शानदार खेल है बल्कि यह आत्म-सम्मान आत्मविश्वास भी पैदा करता है। शूटिंग खेल को अपनाने से कई शारीरिक लाभ होते हैं। बढ़ी हुई ताकत सहन शक्ति संतुलन हाथ और आंख समन्वय और बढ़िया कौशल इसके कुछ लाभ हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रायपुर श्री अमरेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह सहित पुलिस एवं प्रतिभागी अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.